ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष- 8, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 318 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
24 मई 2026 रविवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
42.0 अधिकतम
29.0 न्यूनतम

Page-7

राहत की खबर... लम्बे युद्ध विराम पर समझौता जल्द, खुल जाएगा होर्मुज स्ट्रेट

वादा करेगा ईरान, परमाणु हथियार बनाने की कोशिश नहीं होगी

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच बड़ा समझौता होने की खबर है। एक्सियोस न्यूज के मुताबिक, दोनों देश 60 दिन के युद्ध विराम समझौते के बेहद करीब हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस समझौते के तहत होर्मुज को फिर से खोला जाएगा, ताकि जहाजों की आवाजाही सामान्य हो सके।

ईरान इस दौरान होर्मुज में लगाई गई बारूदी सुरंगों को हटाने पर सहमत हो सकता है। इसके बदले अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर लगी रोक में ढील देगा और कुछ प्रतिबंधों में राहत देकर ईरान को खुलकर तेल बेचने की इजाजत दे सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्तावित समझौते में ईरान यह वादा भी करेगा कि वह कभी परमाणु हथियार बनाने की कोशिश नहीं करेगा। साथ ही यूरेनियम एनरिच्ड प्रोग्राम को सीमित करने और हाईली एनरिच्ड यूरेनियम के भंडार को हटाने पर बातचीत होगी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, समझौता काफी हद तक तय हो चुका है, जिसे अमेरिका, ईरान और कई अन्य देशों के बीच अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। ट्रम्प ने यह घोषणा कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, पाकिस्तान, जॉर्डन, मिस्र, तुर्की और बहरीन के नेताओं और अधिकारियों के साथ फोन पर बातचीत करने के बाद की। उन्होंने बताया कि उन्होंने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ फोन पर अलग से बात की है। न्यूज चैनल सीएनएन ने मामले से जुड़े एक व्यक्ति के हवाले से बताया कि सहमति पत्र के जिस ड्राफ्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है, उसके लागू होने पर ईरान के साथ दुश्मनी खत्म हो जाएगी। इसके साथ ही होर्मुज स्ट्रेट को धीरे-धीरे फिर से खोल दिया जाएगा और ईरान के बंदरगाहों पर अमेरिकी नेवी की नाकेबंदी भी खत्म हो जाएगी। ट्रंप की घोषणा पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर के इसी सप्ताह ईरान दौरे के बाद हुई है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग ने मुनीर की ईरान यात्रा को बेहद कामयाब बताया है।

होर्मुज पर ईरान का अपना दावा

ईरान के सरकारी मीडिया ने होर्मुज स्ट्रेट पर ट्रम्प के बयान को गलत बताया है। फार्स न्यूज ने बयान पर असहमति जताते हुए उसने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्ताव के ताजा मसौदे के अनुसार, होर्मुज स्ट्रेट ईरान के ही नियंत्रण में रहेगा। होर्मुज को फिर से खोलने के बारे में ट्रम्प के दावे सच नहीं हैं और हकीकत से मेल नहीं खाते। हालांकि, ईरान ने होर्मुज से निकलने वाले जहाजों की संख्या को युद्ध के पहले के स्तर पर वापस लाने की मंजूरी दे दी है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि युद्ध से पहले की तरह अब आजाद आवाजाही होगी।

ट्विशा को चाहिए न्याय... दिल्ली एम्स की टीम आज दोबारा कर रही है पोस्टमॉर्टम

गिरिबाला सिंह पर क्यों मेहरबान रही भोपाल पुलिस, अब सुप्रीम कोर्ट में देना होगा जवाब

सवाल - सबूत कैसे मिलेंगे... जहां मौत हुई, उसी घर में आज भी रह रही हैं गिरिबाला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एक्ट्रेस और मॉडल रही ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत का मामला अब पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया है। ट्विशा के पति समर्थ की गिरफ्तारी के बाद अब सभी की निगाहें आज होने वाले दूसरे पोस्टमॉर्टम पर लगी हैं। इसके लिए कल रात भोपाल आई दिल्ली की टीम ने भोपाल एम्स पहुंचकर पोस्टमॉर्टम शुरू कर दिया है। उसके लिए सबसे बड़ी चुनौती मौत के 11 दिन बाद की स्थिति में परीक्षण कर मौत के असली कारणों का पता लगाना है। इस बीच घटना स्थल को सील न किये जाने और मृतका की सास पूर्व जज गिरिबाला सिंह को उसी घर में रहने देने को लेकर भोपाल पुलिस सवालों के घेरे में है। आरोप लग रहे हैं कि गिरिबाला को सबूतों से छेड़छाड़ का पूरा अवसर दिया गया है। अब जबकि मामला सुप्रीम कोर्ट पहुँच गया है तब भोपाल पुलिस में हड़कंप की स्थिति है। शीर्ष अदालत में पक्ष रखने की तैयारी की जा रही है।

इस बीच पहली पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में गले पर मिले दो निशानों को लेकर आत्महत्या की थ्योरी पर सवाल उठ रहे हैं। परिजन का दावा है कि दोनों निशान ओवरलैप कर रहे हैं। इसे सामान्य फांसी के मामलों से अलग माना जा रहा है। दो समानांतर लिगेचर मार्क से फंदा गर्दन पर दो बार लिपटा प्रतीत होता है। इसके बावजूद मौत का कारण सुसाइड बाय हैंगिंग दर्ज किया गया। परिजनों का दावा है कि फांसी के सामान्य मामलों में ऐसे निशान कम मिलते हैं। संदेह इसलिए भी गहराता है क्योंकि जिस फंदे से फांसी लगाने की बात कही गई है, उसे न तो तुरंत जब्त किया गया और न ही डॉक्टरों को सौंपा गया। परिजन के सवाल उठाने के बाद 15 मई को फंदा बरामद किया गया। वकील अंकुर पांडेय का कहना है कि अगर अंतिम संस्कार हो जाता तो फंदे की पुष्टि कैसे होती। विशेषज्ञों के मुताबिक, ऐसे मामलों में फंदा आमतौर पर शव के साथ जांच के लिए भेजा जाता है।

समर्थ सिंह | ट्विशा शर्मा

हायॉइड बोन सुरक्षित ही रही !

विशेषज्ञों के अनुसार, फांसी के कई मामलों में हायॉइड बोन या थायरॉयड कार्टिलेज प्रभावित होती है। रिपोर्ट में यह हिस्सा सुरक्षित बताया गया है। रिपोर्ट में टिशू में रक्त के निशान दर्ज हैं, लेकिन हड्डी सुरक्षित रहने पर विस्तृत टिप्पणी नहीं है। दूसरी पोस्टमॉर्टम जांच में इस पहलू की भी समीक्षा होगी। ट्विशा की लंबाई को लेकर भी सवाल उठे हैं। एम्स भोपाल की रिपोर्ट में लंबाई 166 सेंटीमीटर दर्ज है, जबकि परिजन 172 सेंटीमीटर बता रहे हैं। वकील अंकुर पांडेय ने रिपोर्ट की सटीकता पर सवाल उठाए हैं।

प्रेग्नेंसी के बाद बदला ट्विशा का व्यवहार : समर्थ

इधर, सात दिनों की पुलिस रिमांड पर भेजे गए समर्थ सिंह ने कहा है की 17 अप्रैल को ट्विशा की प्रेग्नेंसी की पुष्टि हुई। इसके बाद उसके व्यवहार में बदलाव आने लगा। अस्पताल से लौटने के बाद ट्विशा ने कहा था कि वह दिल्ली स्थित अपने घर जाना चाहती है। घरेलू जिंदगी नहीं जी सकती। उसी शाम वह फ्लाइट से दिल्ली और फिर नोएडा स्थित घर पहुंच गई। समर्थ ने बताया कि काफी समझाने के बाद 23 अप्रैल को वह अपनी मां और भाई के साथ भोपाल लौटी। समर्थ के अनुसार 24 अप्रैल को बेंगलुरु जाने के टिकट उसने पहले से बुक कर रखे थे। शुरुआत में ट्विशा इसके लिए तैयार थी। बाद में उसने साथ जाने से इनकार कर दिया। कहा कि वह अपने भाई के पास नसीराबाद, अजमेर जाना चाहती है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई। समर्थ ने यह भी कहा कि इसके बाद दोनों के रिश्तों में खटास बनी रही। ट्विशा अक्सर कहती थी कि वह ग्लैमर वर्ल्ड से जुड़ी है। घरेलू जिंदगी उसके लिए नहीं है। समर्थ से घटना के दिन से लेकर फरारी तक की कहानी पुलिस पता कर रही है। स्पॉट पर उसे साथ ले जाया जाएगा और उस दिन हुए घटनाक्रम से जुड़े अन्य साक्ष्यों को जुटाया जाएगा।

शव को नोएडा ले जाना चाहता है परिवार

ट्विशा शर्मा का परिवार चाहता है कि दोबारा पोस्टमॉर्टम हो जाने कि बाद शव को नोएडा ले जाकर वहीं अंतिम संस्कार किया जाए। इसके लिए डॉक्टरों की सलाह ली जाएगी कि शव ले जाने लायक स्थिति में है भी या नहीं। खबर लिखे जाने तक त्विशा कि सभी परिजन एम्स में ही मौजूद हैं। इससे पहले हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान ससुराल पक्ष यानी समर्थ सिंह की ओर से हिंदू रीति-रिवाजों का हवाला देते हुए शव पति को सौंपने की मांग की गई थी जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था।

ट्रम्प की बेटी को भी मिली थी हत्या की धमकी

व्हाइट हाउस के पास 30 राउंड फायरिंग सुरक्षा बलों ने हमलावर को मार डाला

गोलीबारी वाली जगह से सबूत जमा करते हुए सुरक्षा अधिकारी।

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी में एक संदिग्ध शख्स ने व्हाइट हाउस के पास करीब 30 राउंड फायरिंग की। भारतीय समयानुसार यह घटना शनिवार रात करीब 3:30 बजे से सुबह 5 बजे के बीच हुई। घटना के समय अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प व्हाइट हाउस के अंदर मौजूद थे।

रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस के पास संदिग्ध हमलावर ने सिक्योरिटी चेकपॉइंट पर गोलियां चलाईं, जहां सीक्रेट सर्विस के अधिकारी तैनात थे। अफसरों की जवाबी कार्रवाई में हमलावर को गोली लगी। हॉस्पिटल ले जाने पर उसकी मौत हो गई। युवक की पहचान 21 साल के नासिर बेस्ट के तौर पर हुई है। वह अमेरिका के मैरीलैंड राज्य का रहने वाला था। इस गोलीबारी में एक आम नागरिक भी गोली लगने से घायल हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि अभी यह साफ नहीं है कि उसे हमलावर की गोली लगी या जवाबी फायरिंग के दौरान चोट पहुंची। घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है।

हमलावर नासिर बेस्ट।

इस घटना से कुछ दिन पहले ही राष्ट्रपति ट्रम्प की बेटी को भी हत्या की धमकी मिली थी। इस मामले में एक इराकी युवक को गिरफ्तार किया गया था। वह ईरानी सेना से जुड़ा हुआ था। आरोपी के पास इवांका और उनके पति जैरेड कुशनर के फ्लोरिडा स्थित घर का ब्लूप्रिंट यानी नक्शा भी मिला था।

INDIAN PREMIER LEAGUE
मुंबई-राजस्थान, समय : शाम 3.30 बजे

न्यूज विंडो

रूस का हमला, यूक्रेन में कई इमारतें मलबे में तब्दील

कीव। यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस ने एक बार फिर घातक हवाई हमला किया है। रूस ने मिसाइलों और ड्रोन से कीव को निशाना बनाया। इस जोरदार हमले से पूरा शहर थर्रा उठा। सरकारी दफ्तरों, रिहायशी इमारतों और स्कूलों के पास एक के बाद एक कई शक्तिशाली धमाके हुए। स्थानीय अधिकारियों के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, इस हमले में कम से कम 10 लोग घायल हुए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों और पत्रकारों ने शहर के मध्य हिस्से में बेहद तेज विस्फोटों की आवाजें सुनीं। सूरज उगने तक यह हमला जारी था और अधिकारियों ने आशंका जताई है कि कीव की तरफ अभी और मिसाइलें व ड्रोन्स बढ़ रहे हैं।

आज का कार्टून

इबोला पर डब्ल्यूएचओ ने घोषित की इमरजेंसी सरकार ने दी तीन देशों की यात्रा से बचने की सलाह

नईदिल्ली, एजेंसी

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और युगांडा में इबोला रोग के प्रकोप को देखते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। यह घोषणा अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम, 2005 के तहत 17 मई को की गई थी। इसे देखते हुए भारत सरकार ने अपने नागरिकों को कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान की गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अफ्रीका रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और युगांडा को प्रभावित करने वाले बुंडिबुग्यो स्ट्रेन इबोला वायरस रोग के चल रहे प्रकोप को 'महाद्वीपीय सुरक्षा का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल' भी घोषित किया है।

विस्फोट की चपेट में आई क्वेटा जा रही जाफर एक्सप्रेस

बलूचिस्तान में आत्मघाती हमला, 30 की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा शहर में आज चमन फाटक के पास रेलवे ट्रैक के नजदीक आत्मघाती हमला किया गया, जिसकी चपेट में जाफर एक्सप्रेस आ गई। अधिकारियों के अनुसार, हादसे में 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि 82 घायल हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक धमाके के समय ट्रेन क्वेटा कैंट की ओर जा रही थी। विस्फोट इतना जोरदार था कि ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। धमाके के बाद रेलवे ट्रैक के पास आग लग गई। फायर ब्रिगेड, पुलिस, रेस्क्यू टीम और सुरक्षा बल तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव ऑपरेशन शुरू किया गया। पुलिस ने बताया कि विस्फोट के असर से आसपास की इमारतों की खिड़कियों के शीशे भी टूट गए। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और धमाके की वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

बलूचिस्तान सरकार के गृह मामलों के विशेष सहायक बाबर यूसुफजई ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और सभी सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

मेट्रो एंकर — राजस्थान सहित सात राज्यों में आंधी-बारिश के बाद तपिश से मामूली राहत

भट्टी की तरह तप रहा देश, दुनिया के 50 सबसे गर्म शहर भारत के

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ, एजेंसी

भारत का आधा से ज्यादा हिस्सा तेज धूप और हीटवेव से तप रहा है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र और ओडिशा के कई हिस्सों में तापमान अब भी 45 डिग्री पार जा रहा है। महाराष्ट्र का ब्रह्मपुरी लगातार दूसरे दिन देश में सबसे गर्म रहा। यहां 47.1 डिग्री तापमान दर्ज हुआ।

प्राइवेट एजेंसी AQI.in के मुताबिक आज सुबह 10 बजे तक दुनिया के 50 सबसे गर्म शहरों में सभी भारत के हैं। शनिवार को भी टॉप 50 शहरों में 37 भारत के थे। इनमें बांदा, चंद्रपुर, रायपुर, प्रयागराज जैसे शहर शामिल हैं। बांदा का तापमान 46.2 डिग्री रहा। ओडिशा के झारसुगुड़ा में 45.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली के कई हिस्सों में भी तापमान 44 डिग्री से अधिक बना हुआ है। हालांकि दोपहर के बाद यूपी, दिल्ली, बिहार, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में आंधी-बारिश हुई। इससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली। इससे राजस्थान के सभी शहरों का तापमान 45 डिग्री से नीचे आ गया।

ब्रह्मपुरी - 47.1° | बांदा- 46.2°

इस साल कमजोर रहेगा मॉनसून, 8 फीसदी कम बारिश का अनुमान!

लोगों को अभी से बारिश का इंतजार है, लेकिन मौसम विभाग ने मॉनसून को लेकर चिंता वाली बात बताई है। मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जारी किया है जिसके अनुसार इस साल दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की चाल 'सामान्य' से थोड़ी सुस्त रह सकती है और कुल बारिश औसत से महज 92% रहने का अनुमान है। यानी इस साल सामान्य से 8 फीसदी कम बारिश होगी। कम बारिश होने के पीछे की वजह 'अल-नीनो' प्रभाव है। शुरुआती संकेत यही हैं कि इस साल देश के कई हिस्सों में बादल उतने मेहरबान नहीं होंगे जितनी उम्मीद की जा रही थी। हालांकि इस बारे में अगले कुछ दिनों में मौसम विभाग की ओर से एक ओर पूर्वानुमान जारी किया जाएगा।

रात में भी गर्मी बरपा रही कहर, नौगांव में पारा तोड़ रहा रिकॉर्ड

मध्य प्रदेश में आज भी भीषण गर्मी और लू का कहर जारी है। प्रदेश के सभी संभागों के जिलों में मौसम शुष्क बना रहा। जबकि छिंदवाड़ा जिले में गर्म रात दर्ज की गई। पिछले 24 घंटे में मध्य प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 46 डिग्री नौगांव में दर्ज किया गया। भोपाल में अधिकतम तापमान 42 डिग्री रहा। हालांकि महीने के अंत तक कुछ इलाकों में हल्की आंधी और बूंदाबांदी की संभावना भी जताई गई है।

नौगांव	46.0°
रीवा	43.6°
इंदौर	42.2°
भोपाल	42.0°

मुंबई, दिल्ली और हैदराबाद की कुछ उड़ानें बंद होंगी

महंगा हवाई सफर : भोपाल में पैसेंजर न मिलने से घटाए दिल्ली-मुंबई के फेरे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ते एयर फेयर के कारण विमान से सफर करने वालों की संख्या कम होने लगी है। अचानक पैसेंजर लोड कम होने से एयरलाइंस कंपनियां भी परेशान हैं। इसका असर अब उड़ानों की संख्या में कटौती के करने के रूप में सामने आ रहा है। भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट से इस समर सीजन में नई उड़ानें शुरू होने की उम्मीद की जा रही थी लेकिन एयरलाइंस कंपनियों ने पैसेंजर लोड कम होते देख उड़ानें बंद करने की घोषणा कर दी है।

मुंबई, दिल्ली एवं हैदराबाद रूट पर अतिरिक्त उड़ानें अस्थाई रूप से बंद रहेंगी। हालांकि इन शहरों तक सीधी उड़ान की सुविधा पहले की तरह जारी रहेगी क्योंकि रूट पूरी तरह बंद नहीं होंगे।पैसेंजर लोड बढ़ने की उम्मीददिल्ली, मुंबई एवं हैदराबाद तक एक-एक उड़ान बंद होने से यात्रियों के पास उपलब्ध उड़ानें में ही बुकिंग कराने का विकल्प रह जाएगा। ऐसे में एयरलाइंस कंपनियों को पहले से अधिक पैसेंजर लोड मिल सकेगा। पैसेंजर लोड यानि उपलब्ध सीटों के आधार पर अधिकतम बुकिंग। वर्तमान में बड़े शहरों का पैसेंजर लोड 60 प्रतिशत रह गया है। यानि 100 में से 60 सीटें बुक हो रही है। बाकी सीटें खाली रह जाती हैं। अब 80 से 90 प्रतिशत सीटें बुक होने की उम्मीद की जा रही है।

इंडिगो, एआई के यह रूट प्रभावित

इंडिगो की उड़ान संख्या 6-ई7523/7524 हैदराबाद-भोपाल-हैदराबाद) एक जून से 15 जून 2026 तक निरस्त रहेगी। एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 633/634 मुंबई-भोपाल-मुंबई एक जून से 31 जुलाई 2026 तक निरस्त रहेगी। यह उड़ान 18 जून एवं सात जुलाई 2026 को संचालित होगी। एयर इंडिया की उड़ान संख्या एएआई 1723/1894 दिल्ली-भोपाल-दिल्ली एक जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक निरस्त रहेगी। इंडिगो की उड़ान संख्या 6-ई 368/393 बेंगलुरु-भोपाल-बेंगलुरु 17 जून से 24 अक्टूबर तक सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार को संचालित होगी।

कनेक्टिविटी पहले की तरह

एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि कुछ उड़ानें बंद होने के बावजूद भोपाल के यात्रियों को पहले की तरह कनेक्टिविटी मिलती रहेगी। एयरलाइंस कंपनियां पैसेंजर लोड एवं दूसरे रूट पर अधिक ट्रेफिक के आधार पर उड़ानें बंद या चालू करती हैं। इस साल कई दूसरे शहर भी भोपाल से जुड़ेंगे।

सख्ती : 47 स्थानों से लिए पानी के नमूने

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में गर्मी के बीच नागरिकों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम ने पानी की गुणवत्ता की निगरानी तेज कर दी है। शनिवार को निगम अमले ने झुग्गी बस्तियों सहित शहर के विभिन्न इलाकों से 47 स्थानों पर पानी के नमूने लेकर उनकी जांच शुरू की।

नगर निगम की ओर से संचालित आठ परीक्षण शालाओं में इन नमूनों की गंध, रंग, स्वाद, रेसिडुअल क्लोरीन, पीएच, टरबीडिटी और बैक्टीरिया संबंधी परीक्षण किए जा रहे हैं, ताकि लोगों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाया जा सके। जिससे उन्हें सुविधा होगी। इसके साथ ही शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में 35 स्थानों पर पाइप लाइन लीकेज भी सुधारे गए। निगम अधिकारियों के अनुसार लीकेज के कारण पानी की बर्बादी रोकने और जलापूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। महापौर मालती राय के निर्देश और निगम आयुक्त संस्कृति जैन के मार्गदर्शन में सीएम हेल्पलाइन और महापौर हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों के त्वरित निराकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

लापरवाही पर कड़ा एक्शन

ननि कमिश्नर ने उड़ती धूल देखी तो भड़कीं, ठोका 50 हजार का जुर्माना

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल को देश में नंबर वन बनाने के लिए जहां एक-एक कोने को चमकाया जा रहा है, वहीं कुछ कंस्ट्रक्शन कंपनियां खुलेआम नियमों को हवा में उड़ाकर शहर की हवा बिगाड़ने में जुटी हैं।

ऐसा ही एक मामला टीटी नगर स्थित स्मार्ट सिटी एरिया में सामने आया, जहां बिना ग्रीन नेट लगाए धड़ल्ले से निर्माण कार्य किया जा रही था और हवा में धूल का गुबार उड़ रहा था। गनीमत कहिए या लापरवाही का फेर, तभी वहां से नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन का काफिला गुजरा। उड़ती धूल और बिना ढकी कंस्ट्रक्शन साइट को देखते ही कमिश्नर का पारा चढ़ गया। उन्होंने तुरंत गाड़ी रुकवाई और जोन-21 के अमले को ऑन-द-स्पॉट एक्शन के लिए वायरलेस घुमा दिया। मौके पर पहुंचे अमले ने बिना वक्त गंवाए गिरीराज कंस्ट्रक्शन कंपनी के हाथ में 50 हजार रुपये के जुर्माने की

शहर में डेरा डाले हुए है स्वच्छता सर्वे की टीम

लापरवाही करने वाली कंस्ट्रक्शन कंपनी की टाइमिंग इस बार बेहद खराब रही। दरअसल, पिछले तीन दिनों से राजधानी भोपाल में स्वच्छता सर्वेक्षण की राष्ट्रीय टीम मौजूद है, जो शहर की साफ-सफाई और एयर क्वालिटी (वायु गुणवत्ता) का बारीक निरीक्षण कर रही है। ऐसे नाजुक वक्त पर स्मार्ट सिटी जैसे वीआईपी इलाके में उड़ती धूल निगम की साख पर बट्टा लगा सकती थी। यही वजह रही कि निगम आयुक्त ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लिया और तत्काल भारी-भरकम जुर्माने की चोट की।

कमिश्नर का सख्त अल्टीमेटम

इस कार्रवाई के बाद निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने भोपाल के सभी 21 जोनों के प्रभारियों और एएचओ को कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने साफ कहा है कि अपने-अपने इलाकों में चल रहे सभी निर्माण कार्यों की सघन चेकिंग करें। जहां भी बिना ग्रीन नेट के काम होता मिले या प्रदूषण फैलता दिखे, वहां बिना किसी रियायत के सीधे तगड़ी जुर्माने की कार्रवाई की जाए।

सिंधी समाज के दरबार में लगे एसी, व्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदारी बांटी

संतनगर। विजय नगर स्थित सिंधी समाज के दरबार में एसी लगाए गए हैं, जिसे श्रद्धालुओं को गर्मी का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही दरबार के अन्य आवश्यक कार्य, जैसे कैमरा बोर्ड और साउंड सिस्टम को भी जल्द ही दुरुस्त और आधुनिक किया जाएगा।
सिंधी समाज उत्थान पंचायत विजय नगर के अध्यक्ष कैलाश शर्मा ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दरबार में एयर कंडीशनर (एसी) लगवा दिए गए हैं। शर्मा ने हाल ही में महिलाओं से संवाद कर दरबार की व्यवस्थाओं पर उनके विचार जाने। उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि दरबार की व्यवस्थाएं सुचारू रूप से चल रही हैं, लेकिन प्रबंधन को और अधिक मजबूत व सुदृढ़ बनाने के लिए वर्तमान सेवादारों का सहयोग करना बेहद जरूरी है।

मास्टर क्लास : यूजीसी-नेट परीक्षा की तैयारी के बताए टिप्स

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग में ऑनलाइन माध्यम से यूजीसी-नेट परीक्षा में सफलता कैसे प्राप्त करें? विषय पर एक विशेष मास्टरक्लास का आयोजन हुआ।

इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने सहभागिता की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को यूजीसी-नेट परीक्षा की तैयारी के लिए प्रभावी मार्गदर्शन प्रदान करने और परीक्षा की रणनीति, अध्ययन संसाधनों एवं सफलता के व्यावहारिक उपायों से अवगत कराना था। मास्टरक्लास में यूजीसी-नेट के पाठ्यक्रम, परीक्षा पैटर्न तथा पेपर-1 और पेपर-2 की विस्तृत समझ पर चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को तैयारी की रणनीति, समय प्रबंधन, महत्वपूर्ण अध्ययन सामग्री एवं उपयोगी संसाधनों की जानकारी दी। साथ ही परीक्षा में सफलता के लिए आवश्यक अध्ययन पद्धतियों पर भी प्रकाश डाला गया।

आयोजन का संयोजन प्रो. डॉ. पवित्र श्रीवास्तव ने किया। रिसोर्स पर्सन अंकित कात्यायन और यश शख्तावत रहे। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी से जुड़े व्यावहारिक सुझाव दिए। इस दौरान प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने परीक्षा से संबंधित विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। मास्टर क्लास में बड़ी संख्या में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

स्वच्छता सर्वेक्षण और... स्टेशन क्षेत्र की कॉलोनियों में ऐसा दृश्य

भोपाल। शहर के स्टेशन क्षेत्र की कॉलोनियों में इन दिनों कचरे की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। एक ओर नगर निगम शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के बड़े-बड़े दावे कर रहा है, वहीं दूसरी ओर स्टेशन इलाके की सड़कों, गलियों और कॉलोनियों के आसपास फैला कचरा निगम की व्यवस्थाओं की पोल खोल रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई जगहों पर नियमित रूप से कचरा उठाव नहीं हो रहा है, जिसके कारण सड़कों किनारे कचरे के ढेर लग गए हैं। गर्मी के मौसम में इन कचरे के ढेरों से बदबू फैल रही है और मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ने लगा है। इससे क्षेत्र में बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है।

आज शाम सात बजे शुरू होगी प्रतियोगिता

साईं साधराम को समर्पित होगा सिंधी प्रीमियर लीग नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

सिंधु सेना भोपाल द्वारा विगत 8 वर्षों से आयोजित किया जा रहा सिंधी प्रीमियर लीग नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज आज से 31 मई तक प्रतिदिन शाम 7 बजे से बाबे अली स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। इस सिंधी प्रीमियर लीग नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट के आयोजक राकेश कुकरेजा ने बताया कि इस वर्ष का टूर्नामेंट सिंधी समाज के संत साईं साधराम साहेब जी को समर्पित किया जा रहा है, हिन्द-सिंध के आध्यात्मिक संत, पूज्य हजूरी रूप साईं साधराम साहेब (संत सतराम धाम, रेहड़की साहिब) का ब्रह्मलीन होना संपूर्ण सिंधी समाज के लिए अपूरणीय क्षति है, टूर्नामेंट के शुभारंभ से पूर्व उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

इसका शुभारंभ सांसद आलोक शर्मा द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर समाजसेवी चंदर लालचंदानी, सिंधी सेंट्रल पंचायत के संरक्षक भगवानदेव इसरानी, अध्यक्ष किशोर तनवानी, मानव अधिकार आयोग के पूर्व अध्यक्ष मनोहर ममतानी, रेल उपयोगिता सलाहकार समिति के सदस्य नितेश लाल, जगदीश साहिता एवं भोपाल की समस्त मोहल्ला पंचायतों के अध्यक्षों के कर कमलों द्वारा किया जाएगा। कुकरेजा ने बताया कि यह टूर्नामेंट पूर्णतः पारिवारिक वातावरण में आयोजित किया जा रहा है इसमें फूड स्टॉल, परिवार जनों के लिए स्टेडियम में बैठने की व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था , साथ ही मैच के दौरान दर्शकों के लिए भी आकर्षक इनामों की व्यवस्था है विशेष रूप से की गई है।

16 टीमों के बीच महामुकाबला: इस बार भोपाल की कुल 16 टीमें खिताब के लिए जोर आजमाइश करेंगी। विजेता टीम को 1,51,000 रुपए तथा उपविजेता टीम को 51,000 रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

‘नंद के आनंद भयो जय कन्हैयालाल की’ थिरके श्रोता

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

श्रीकृष्ण जन्म की कथा सुन भाव विभोर हुए श्रद्धालु

ग्राम कुराना में अधिकमास के अवसर पर आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन शनिवार को कथा वाचक प्रीति नागर ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का प्रसंग सुनाया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। कथा वाचक ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मनुष्य भगवान को भूल जाता है, जबकि मुक्ति के लिए भक्ति अनिवार्य है। उन्होंने कंस के अत्याचारों और भगवान कृष्ण के जन्म का वर्णन करते हुए कहा कि जब-जब धरती पर धर्म की हानि होती है, भगवान अवतरित होते हैं।

कृष्ण जन्म के साथ ही जेल के बंधन टूट गए और वे गोकुल पहुंच गए। कथा में जैसे ही श्रीकृष्ण का जन्म हुआ, पूरा पंडाल जयकारों से गूंज उठा। नन्द के आनंद भयो जय कन्हैयालाल की भजन पर श्रद्धालु जमकर झूमे। इस दौरान लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दी तथा खिलौने और मिठाइयां बांटीं।

परीक्षार्थियों ने पुनर्मूल्यांकन में मांगी अपनी उत्तर पुस्तिकाएं

पुनर्मूल्यांकन में उजागर हो रहीं खामियां छात्र और अभिभावकों में भारी अंसतोष

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने 19 मई तक आये आवेदनों के आधार पर कक्षा 10-12 वीं में बोर्ड परीक्षाओं के पुनर्मूल्यांकन की कवायद शुरू कर दी है। आवेदन करने वाले अधिकतर परीक्षार्थियों की शिकायत है कि बोर्ड ने कई प्रश्नों का सही मूल्यांकन नहीं किया है। यहां तक कि कुछ प्रश्नों के उत्तरों को तो जांचा ही नहीं गया है।

दरअसल कुछ परीक्षार्थियों ने जब अपने विषयों के उत्तर पुस्तिकाओं की फोटोकॉपी ली, तो तब इसका खुलासा हुआ।
आधिकारिक जानकारी के अनुसार कक्षा 10 -12 वीं के परिणामों से असंतुष्ट और अंकों में सुधार चाहने वाले प्रदेश के लगभग 60 हजार से अधिक छात्रों ने पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन किए हैं। इनमें से लगभग 17,800 विद्यार्थी वे है, जो उत्तर पुस्तिकाओं की प्रतिलिपि देखने के लिए अलग से आवेदन किए हैं। इनमें से 10 वीं के लगभग 3800 और 12 वीं के करीब 14 हजार शामिल है। फिलहाल छात्रों को संशोधित अंकों की जानकारी मिलने का इंतजार है।
फिलहाल कॉपी जांचने में कई गड़बड़ियां सामने आ रही है। इसे लेकर विद्यार्थियों और अभिभावकों में नाराजगी है। दरअसल इन गड़बड़ियों का खुलासा उस समय हुआ, जब राजधानी के सांदीपनि विद्यालय, बरखेड़ी के दो विद्यार्थियों ने पुनर्गणना के लिए आवेदन करने के साथ उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी मांगी। कुल मिलाकर इस साल 10-12 वीं परीक्षा में बड़ी संख्या में छात्र फेल हुए थे, जबकि छात्रों को ऐसे परिणाम की उम्मीद नहीं थी। जब पुनर्गणना के लिए आवेदन किया गया, तो तब माशिमं की लापरवाही सामने आई।
सांदीपनि विद्यालय की 12 वीं की छात्रा पूर्वा शर्मा को 87 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। पूर्वा का आरोप है कि राजनीति शास्त्र, हिंदी व इतिहास विषय में उन्हें अपेक्षा से कम अंक मिले हैं। उन्होंने इन तीनों विषयों की उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी मंगाई, जिसमें ठीक से जांच नहीं होने की त्रुटियां सामने आईं।

मेट्रो एंकर

34 माह बाद भी विभागों में लागू नहीं हुई संविदा नीति 2023

वेतन बढ़ाया पर अनुशंसित सुविधाएं देने से किया परहेज

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सरकार द्वारा 2023 में बनाई गई संविदा नीति 34 माह बाद भी विभाग अक्षरशः लागू नहीं कर पाये है। क्रियांवयन के नाम पर वेतन जरूर बढ़ाया गया, लेकिन अनुशंसित सुविधाएं अब तक कर्मचारियों को नहीं दी गई है। राज्य के करीब डेढ़ संविदा अधिकारी-कर्मचारियों के मामले में विभागों यह अनदेखी कर्मचारियों को आंदोलन की राह पर ले जा रही है।

दरअसल तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सरकार की पहल पर सामान्य प्रशासन विभाग ने नीति बनाते हुए विभागों को कार्यवाई के निर्देश दिये थे। विभागों ने अक्षरशः इसको लागू करने के बजाय सिर्फ वेतन बढ़ाकर नीति के अन्य प्रावधानों को ठंडे बस्ते में डाल दिया। इस बीच नीति को लागू कराने धरना प्रदर्शन के माध्यम से संविदा कर्मचारियों ने इनका ध्यान भी आकर्षित किया। बावजूद इसके 34 माह बीत जाने के बाद भी विषय को संज्ञान लेने की जरूरत नहीं मसझी गई। मप्र संविदा अधिकारी-कर्मचारी महासंघ के रमेश राठौर का आरोप है कि विभिन्न परियोजनाओं में

कार्यरत इन कर्मचारियों को लेकर विभाग गंभीर नहीं है। इससे नाराजगी बढ़ रही है। अब आंदोलन ही एक मात्र विकल्प रह गया है।

सिर्फ तीन विभाग ही दे रहे लाभ

जानकारी के अनुसार मप्र में सिर्फ तीन विभागों ने ही संविदा नीति को लागू किया है। जिसमें बिजली विभाग के बाद कुक्कुट निगम और स्वास्थ्य विभाग महत्वपूर्ण है। महिला एवं बाल विकास और कृषि जैसे बड़े विभागों के साथ अन्य किसी ने इस दिशा में अब तक काम नहीं किया है।

कृषि विभाग ने निर्धारित की वेतन समकक्षता

नीति को लेकर विभागों के रवैये का आंकलन इसी से किया जा सकता है कि कृषि विभाग ने संविदा कर्मचारियों के वेतन समकक्षता का निर्धारण करीब दो दिन पहले किया है। वह भी तब जबकि कर्मचारियों ने मंत्री ऐंदल सिंह कंसाना के दरवाजे में गुहार लगाई। जिसके बाद ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर, असिस्टेंट टेक्नोलॉजी मैनेजर, लेखपाल सह लिपिक और डाटा एंट्री ऑपरेटर की वेतन समकक्षता निर्धारण के आदेश जारी किये गये।

छात्रों को सतर्क रहने की दी सलाह

भोपाल। नीट यूजी परीक्षा को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों के बीच भोपाल साइबर क्राइम विंग ने छात्रों व अभिभावकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। पुलिस के मुताबिक, री-नीट, पेपर लीक और गारंटीड सेलेक्शन के नाम पर साइबर ठग सक्रिय हो गए हैं। टेलीग्राम, व्हाट्सएप और फर्जी वेबसाइटों के जरिए छात्रों को ठगी का शिकार बनाया जा रहा है। साइबर अपराधी ‘100% सेलेक्शन’, ‘एडवांस प्रश्नपत्र’, ‘वीआईपी रिजल्ट’ और ‘री-नीट फाइनल डेट’ जैसे झूठे दावे कर छात्रों को फंसाने की कोशिश कर रहे हैं।

सादगी और मितव्ययिता का संदेश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सादगी से जनसेवा की एक अलग मिसाल पेश की। सिंगरौली की धरा पर उतरते ही मुख्यमंत्री ने मितव्ययिता के जरिए जनसेवा का अटल संकल्प व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ एक टूरिस्ट बस में बैठकर कार्यक्रम स्थल (एनसीएल ग्राउंड) पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का यह सरल और सहज अंदाज नागरिकों को भा गया। बस से कार्यक्रम स्थल पहुंचकर मुख्यमंत्री ने यह संदेश दिया कि जनप्रतिनिधियों की पहचान केवल पद और प्रोटोकॉल से नहीं, बल्कि जनता से जुड़ाव, सादगी और सेवा भावना से होती है। मुख्यमंत्री का यह कदम प्रधानमंत्री श्री मोदी के उस मितव्ययितापूर्ण दृष्टिकोण को भी प्रतिबिंबित करती है, जिसमें जनप्रतिनिधियों को सादगी, अनुशासन और जनसेवा के मूल्यों के साथ काम करने की प्रेरणा दी जाती है।

मिलावटखोरों पर कसने जा रहा शिकंजा

प्रदेश को मिलेंगी 40 नई चलित लैब, अब 15 मानकों पर दूध की तत्काल जांच

भोपाल, दोपहर मेट्रो

खाद्य पदार्थों की मौके पर ही तत्काल जांच के लिए प्रदेश के विभिन्न जिलों में 40 चलित लैब और चलेंगी। अब बड़ी सुविधा यह होगी कि इन लैब में दूध की जांच 15 मानकों पर हो सकेगी। अभी प्रदेश में 15 लैब चल रही हैं, जिनमें तीन मानकों पर ही जांच हो पा रही है। अब दूध में पानी, डिटर्जेंट या अन्य केमिकल की मिलावट, वसा की मात्रा सहित अन्य मापदंडों की जांच हो सकेगी। इसी तरह से नई लैबों में फल-सब्जियों की जांच भी की जा सकेगी। सब्जियों में केमिकल के छिड़काव या इंजेक्शन के बारे में पता किया जा सकेगा, लेकिन बैक्टीरिया, फंगस आदि की उपस्थिति का पता नहीं चल पाएगा। नई लैब आने के साथ प्रदेश के सभी 55 जिलों में चलित लैब हो जाएंगी।

पूरी राशि खर्च कर रही केन्द्र सरकार

बता दें कि नई लैबों के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण नए मानक तैयार कर रहा है। इसमें कुछ मापदंड यूरोपियन मानकों के अनुसार रहेंगे। लैब का आकार, इसमें रखे जाने वाले उपकरणों के प्रकार, उपकरणों में मापदंड और जांच के मानक शामिल हैं। एफएसएसएआई ने लगभग एक वर्ष पहले लैब बनाने के लिए राशि राज्य सरकार को दी थी। पूरी राशि केंद्र ही लगा रहा है। नए मानक के अनुसार, लैब तैयार करने में प्रति लैब 15 से 20 लाख रुपये खर्च और बढ़ जाएगी। ऐसे में खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने नए सिरे से प्रस्ताव प्राधिकरण को भेजा है। केंद्र से राशि मिलने के बाद लैब तैयार कराने में लगभग छह माह लग जाएंगे।

यह है प्रदेश का पॉवर हाउस, अब बनेगी गोल्ड सिटी : सीएम मोहन का ऐलान...

विंध्य औद्योगिक और पर्यटन विकास की नई कहानी लिख रहा, इसका केंद्र बिन्दु सिंगरौली

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के हर जिले के विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सिंगरौली को मध्यप्रदेश का सबसे विकसित और आधुनिक शहर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सिंगरौली अब केवल ऊर्जा उत्पादन का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि विकास, संस्कृति और नई संभावनाओं का बड़ा केंद्र बनेगा।

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना भी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और लोगों को जोड़ने के लिए हर नगर में गीता भवन बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सिंगरौली महोत्सव और नगर गौरव दिवस जैसे आयोजन जिले की पहचान, संस्कृति और सामाजिक एकता को मजबूत करने का माध्यम हैं। ऐसे आयोजन आगे भी हर वर्ष उत्साह के साथ आयोजित किए जाएंगे। सिंगरौली मध्यप्रदेश का पॉवर हाउस है। यह प्रदेश का ग्रोथ सेन्टर भी है। इसके विकास के लिए हम कोई कसर नहीं रखेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोयला किंग सिंगरौली अब गोल्ड सिटी बनने जा रही है। सिंगरौली में प्रदेश के पहले चकरिया गोल्ड ब्लॉक के लिए अनुबंध हो चुका है।

सीएम सिंगरौली गौरव दिवस की पूर्व संध्या अवसर पर पूरे जिले को 552 करोड़ 12 लाख रुपये की लागत वाले 71 विकास कार्यों की ऐतिहासिक सौगात दी। सिंगरौली जिले का गठन 24 मई 2008 को किया गया था। यह राज्य का 50वां जिला है। इसका जिला मुख्यालय वैढ़न (बैढ़न) में स्थित है। मुख्यमंत्री ने यहां 486 करोड़ 53 लाख रुपये की लागत से 50 विकास कार्यों का भूमि पूजन तथा 65 करोड़ 59 लाख रुपये की लागत से 21 नवनिर्मित विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया। इनमें सीएसआर के तहत 19 करोड़ 83 लाख रुपये की लागत वाले 4 विकास कार्यों (सिंगरौली में 13.30 करोड़ से स्पोर्टस काम्प्लेक्स के निर्माण सहित) का भूमि पूजन भी शामिल है।

गरीबों का कल्याण, बहनों का सम्मान और किसानों की हरसंभवकरेंगे मदद

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गरीब, युवा, नारी और किसान हमारी प्राथमिकता है। गरीबों का कल्याण, बहनों का सम्मान, युवाओं को अवसर और किसानों के हित में जो भी मदद संभव होगी, हम वो सब करेंगे। मध्यप्रदेश में 89 लाख से अधिक बहनों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का लाभ मिल रहा है। प्रदेश में जुलाई 2023 से मात्र 450 रुपये में बहनों को निरंतर घरेलू गैस सिलेण्डर दिलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मई के महीने में प्रदेश की बहनों को डबल सौगात मिली है। इसी माह 13 तारीख को प्रदेश की सवा करोड़ बहनों के खातों में लाड़ली बहना के 1500-1500 रुपये पहुंचे है और आज (23 मई को) गैस सिलेंडर भरवाने की सब्सिडी राशि भी उन्हें मिल रही है। वृद्धजनों के सम्मान में भी सरकार ने कभी कोई कमी नहीं की। इसी कार्यक्रम के जरिये प्रदेश के 33 लाख 71 हजार से अधिक पात्र

जल गंगा संवर्धन के तहत गंगा दशमी पर्व पर कल होंगे पूरे प्रदेश में कार्यक्रम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गंगा दशमीं पर के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में 25 मई को कार्यक्रम आयोजित होंगे। राज्य शासन ने समस्त जिलों में गंगा दशमी पर्व पर आयोजित गतिविधियों एवं कार्यक्रम में सहभागिता करने वालों की सूची जारी की है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल रीवा, मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह रतलाम, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय धार, मंत्री प्रहलाद पटेल नरसिंहपुर, मंत्री राकेश सिंह जबलपुर, मंत्री करण सिंह वर्मा सिवनी, मंत्री उदय प्रताप सिंह नर्मदापुरम, मंत्री तुलसीराम सिलावट देवास, मंत्री एदल सिंह कंषाना मुरैना, मंत्री निर्मला भूरिया झाबुआ, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत सागर, मंत्री विश्वास कैलाश सारंग विदिशा के कार्यक्रम में शामिल होंगे।

पूरे देश में सबसे अधिक, टूटे पुराने रिकार्ड

गेहूं खरीदी में मध्यप्रदेश ने रचा इतिहास, 13 लाख से ज्यादा किसानों से खरीदा गया अनाज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश ने समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के मामले में इस बार देशभर में नया रिकॉर्ड बनाया है। प्रदेश में अब तक 13 लाख 10 हजार किसानों से गेहूं खरीदा जा चुका है, जो पूरे देश में सबसे अधिक है। वहीं करीब 100 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदी के साथ मध्यप्रदेश पंजाब के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। प्रदेश में अभी भी गेहूं खरीदी का कार्य जारी है।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि कोविड काल को छोड़कर पिछले 10 वर्षों में इस बार सबसे ज्यादा गेहूं समर्थन मूल्य पर खरीदा गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार लगातार किसानों के हित में काम कर रही है और किसानों को बेहतर सुविधाएं देने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव कर रहे लगातार मॉनिटरिंग

मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के प्रयासों से केंद्र सरकार ने गेहूं खरीदी का लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया। मुख्यमंत्री स्वयं गेहूं खरीदी व्यवस्था की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने कई खरीदी केंद्रों का निरीक्षण भी किया और किसानों से बातचीत कर वहां उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया।

किसानों की सुविधा के लिए बढ़ाई गई अंतिम तिथि

सरकार ने किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिन किसानों ने स्लॉट बुक करा लिए हैं, उनके लिए गेहूं खरीदी की अंतिम तिथि 23 मई से बढ़ाकर 28 मई कर दी है। प्रदेश सरकार द्वारा अब तक किसानों को 20 हजार 680 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। किसानों से 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं खरीदा जा रहा है। इसमें 2585 रुपये समर्थन मूल्य और 40 रुपये बोनस शामिल है। सरकार की ओर से खरीदी केंद्रों पर किसानों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास भी किए गए हैं। तौल कांटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 कर दी गई है। इसके अलावा तौल पर्ची बनाने का समय रात 10 बजे तक और भुगतान प्रक्रिया रात 12 बजे तक बढ़ाई गई है। खरीदी सप्ताह में छह दिन की जा रही है।

किसानों के लिए पानी, छाया और जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था

खरीदी केंद्रों पर किसानों के लिए पीने के पानी, छायादार बैठने की व्यवस्था, बारदाना, हम्माल, सिलाई मशीन, कंप्यूटर और गुणवत्ता जांच उपकरण जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

एसआरएस रिपोर्ट-2024

मप्र में शिशु मृत्यु दर में बड़ा सुधार, एक दशक में 17 अंकों की कमी

भोपाल। जनगणना निदेशालय द्वारा जारी सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) बुलेटिन-2024 में मध्य प्रदेश के लिए राहतभरी तस्वीर सामने आई है। प्रदेश की शिशु मृत्यु दर घटकर अब 35 प्रति हजार जीवित जन्म हो गई है, जबकि वर्ष 2023 की रिपोर्ट में यह दर 37 थी। इसका अर्थ है कि प्रदेश में जन्म लेने वाले प्रत्येक हजार बच्चों में अब 35 बच्चों की एक वर्ष के भीतर मृत्यु हो रही है। हालांकि स्थिति अभी भी चुनौतीपूर्ण है, लेकिन पिछले एक दशक में इसमें उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है।

सर्वाधिक शिशु मृत्यु दर वाले राज्य का कलंक मिटा

रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2014 में मध्य प्रदेश की शिशु मृत्यु दर 52 प्रति हजार थी, जो अब घटकर 35 पर पहुंच गई है। यानी 10 वर्षों में 17 अंकों की कमी आई है। खास बात यह है कि अब सर्वाधिक शिशु मृत्यु दर वाले राज्य का कलंक भी मध्य प्रदेश से हट गया है, क्योंकि छत्तीसगढ़ की IMR वर्तमान में 36 दर्ज की गई है।

नई इकाइयां स्थापित की गईं

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए प्रदेश में 62 विशेष नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाइयों, 200 नवजात शिशु स्थिरीकरण इकाइयों तथा मातृ-नवजात देखभाल इकाइयों का विस्तार किया गया है। इसके अलावा संस्थागत प्रसव, नवजात देखभाल और स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के कारण लगातार सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

कॉकरोच पार्टी पर सिंधिया ने साधी चुप्पी

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बोले- ऐसे ट्रेंड तेजी से आते हैं और खत्म हो जाते हैं

शिवपुरी, दोपहर मेट्रो

शिवपुरी में आयोजित भाजपा के दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने विकसित भारत 2047 के संकल्प में कार्यकर्ताओं और युवाओं की अहम भूमिका बताई। उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के इंटरनेट मीडिया पर चले ट्रेंड को कुछ ही समय का बताया। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मीडिया के सवाल पर कहा कि मैं इस पर कुछ नहीं कहूंगा। हम विकसित भारत के लक्ष्य की ओर हैं। भारत का युवा विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के लिए उत्साहित है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि इस तरह की मुहिम से कोई फर्क नहीं पड़ता। जो विचारधारा चलती है, वह लंबे समय तक रहती है। इस तरह का ट्रेंड तेजी से आता है और तेजी से खत्म हो जाता है।

COCKROAC
JANTA PARTY

ज्योतिरादित्य सिंधिया का बयान

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने प्रशिक्षण वर्ग में कहा कि आज भारत राजनीतिक स्थिरता के ऐसे युग में प्रवेश कर चुका है, जिसकी नींव सत्ता की नदियों से नहीं, बल्कि विचारधारा की तपस्या से सिंचित हुई है। प्रशिक्षण शिविर केवल संगठनात्मक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आत्ममंथन और राष्ट्र निर्माण का माध्यम है। उन्होंने कहा कि शिविर कार्यकर्ताओं को यह समझाता है कि हम कहां से आए हैं और हमारी वैचारिक यात्रा क्या रही है। अब विकसित भारत का सपना केवल कल्पना नहीं, बल्कि राष्ट्र का संकल्प बन चुका है। सिंधिया ने कहा कि एक समय ऐसा था जब कहा जाता था कि भाजपा कार्यकर्ता एक पैर रेल में और दूसरा जेल में रखकर संघर्ष करता है। यह विशाल वटवृक्ष त्याग, समर्पण और वैचारिक साधना से खड़ा हुआ है।

हफ्ते में दो दिन आपस में जरूर मिलें -खंडेलवाल

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि व्यक्तिगत मतभेद और महत्वाकांक्षा को छोड़कर भाजपा कार्यकर्ता संगठन और विचारधारा को मजबूत करें। भाजपा कार्यकर्ता केवल राजनीति में पद या सत्ता प्राप्ति के लिए पार्टी से नहीं जुड़े हैं, बल्कि भारत को आत्मनिर्भर, शक्तिशाली और गौरवशाली बनाने के उद्देश्य से जुड़े हैं। खंडेलवाल ने कार्यकर्ताओं से कहा कि निरंतर संपर्क, संवाद, संबंध और समन्वय बनाए रखने के लिए हफ्ते में दो दिन आपस में अवश्य मुलाकात करें।

भोपाल के चौराहों पर अब नहीं गूंजेगी तेज आवाज,

एनजीटी ने पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम बंद करने के दिए निर्देश

भोपाल। राजधानी भोपाल के चौराहों और रोड जंक्शनों पर लगे हाई-वॉल्यूम पब्लिक अनाउंसमेंट (पीए) सिस्टम से होने वाले ध्वनि प्रदूषण पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने सख्त रुख अपनाया है। पर्यावरण कार्यकर्ता राशिद नूर खान की याचिका पर सुनवाई करते हुए एनजीटी की सेंट्रल जोन बेंच ने प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि निर्धारित सीमा से अधिक शोर करने वाले सभी पीए सिस्टम को तत्काल बंद, डिस्कनेक्ट या प्रतिबंधित किया जाए। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति श्यो कुमार सिंह और विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ ने की।

लाउडस्पीकर की तेज आवाज से होती है परेशानी

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता हर्षवर्धन तिवारी ने दलील दी कि स्मार्ट सिटी और ट्रैफिक पुलिस द्वारा लगाए गए लाउडस्पीकर दिनभर तेज आवाज में चलते हैं, जिससे आवासीय क्षेत्रों, अस्पतालों, अदालतों और शैक्षणिक संस्थानों सहित साइलेंस जोन प्रभावित हो रहे हैं। एनजीटी ने माना कि लगातार तेज ध्वनि से लोगों में तनाव, चिड़चिड़ापन और सुनने की क्षमता कमजोर होने जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। अधिकरण ने सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत हर नागरिक को शांतिपूर्ण और प्रदूषण-मुक्त वातावरण में जीने का अधिकार है।

मेट्रो एंकर

केन्द्रीय मंत्री ने उपलब्धि को बताया फूड प्रोसेसिंग सेक्टर के लिए गर्व का पल

स्विट्जरलैंड तक पहुंची भोपाल के चाय की महक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के लिए चाय निर्यात के क्षेत्र में बड़ी खुशखबरी सामने आई है। राजधानी भोपाल से फ्लेवर्ड आइस्ड टी प्रीमिक्स की पहली खेप स्विट्जरलैंड भेजी गई है। यह दावा केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने की है। उन्होंने इस उपलब्धि की जानकारी देते हुए इसे भारतीय एमएसएमई सेक्टर की गुणवत्ता और नवाचार का बड़ा उदाहरण बताया।

केन्द्रीय गोयल ने ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यह उपलब्धि मध्य प्रदेश के फूड प्रोसेसिंग सेक्टर के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने बताया कि एपीडा के सहयोग से यह निर्यात संभव हो पाया है, जिससे प्रदेश के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान मिलने की उम्मीद बढ़ गई है।

भारतीय स्वाद को मिल रही वैश्विक पहचान- पीयूष गोयल ने कहा कि भारतीय फ्लेवर्ड चाय उत्पाद अब दुनिया के विकसित देशों में भी अपनी जगह बना रहे हैं। उन्होंने इसे ÷मेक इन इंडिया÷ और ÷लोकल टू ग्लोबल÷ अभियान की सफलता बताते हुए कहा कि इससे देश में वैल्यू एडिशन, नवाचार और निर्यात आधारित विकास को नई दिशा मिलेगी।

एक दशक में चाय निर्यात में 93 प्रतिशत की वृद्धि

अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस के अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पिछले 10 वर्षों में भारत के चाय निर्यात में 93 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2013-14 में जहां चाय निर्यात 4,509 करोड़ रुपये था, वहीं वित्त वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 8,719 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि भारत में चाय केवल एक पेय नहीं बल्कि लोगों की भावनाओं और परंपराओं से जुड़ी हुई है। दार्जिलिंग की पहाड़ियों, असम की वादियों और नीलगिरि के बागानों की चाय अपनी विशेष खुशबू और स्वाद के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है।

गुणवत्ता के दम पर बढ़ रही मांग

पीयूष गोयल ने कहा कि बेहतर गुणवत्ता मानकों और टी बोर्ड ऑफ इंडिया के लगातार प्रयासों के कारण भारतीय चाय की अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत पहचान बनी है। आने वाले समय में भारत का चाय उद्योग निर्यात के नए रिकॉर्ड बना सकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय एमएसएमई सेक्टर लगातार गुणवत्ता सुधार और आधुनिक तकनीक के जरिए वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा कर रहा है। भोपाल से स्विट्जरलैंड भेजी गई यह खेप प्रदेश के उद्यमियों के लिए प्रेरणा का काम करेगी।

समर चैलेंजः सिर्फ शरीर नहीं, मन को भी झुलसा रही गर्मी

बढ़ते तापमान का मेंटल हेल्थ और इमोशंस पर असर

शरीर और मस्तिष्क एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। जब शरीर लगातार अधिक तापमान से जूझता है, तब दिमाग भी अतिरिक्त दबाव में आ जाता है। हालिया अध्ययनों में अत्यधिक गर्मी और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के बीच स्पष्ट संबंध सामने आया है।

गर्मी बढ़ने का असर सिर्फ पसीने, थकान और डिहाइड्रेशन तक सीमित नहीं है। हाल के वर्षों में मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं ने यह पाया है कि अत्यधिक तापमान हमारे मूड, व्यवहार, सोचने की क्षमता और भावनात्मक संतुलन को भी प्रभावित करता है। कई लोग गर्मियों में चिड़चिड़ापन, बेचैनी, गुस्सा, नींद की कमी और मानसिक थकान की शिकायत करने लगते हैं, लेकिन अक्सर इसे सामान्य मौसमी समस्या मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. समीर पारिख कहते हैं, 'जब शरीर लगातार असहजता महसूस करता है तो मानसिक संतुलन भी प्रभावित होने लगता है। गर्मी के दौरान व्यक्ति जल्दी प्रतिक्रिया देता है, धैर्य कम हो सकता है और तनाव की अनुभूति बढ़ सकती है।' बहुत अधिक तापमान होने पर शरीर खुद को ठंडा रखने में अधिक ऊर्जा खर्च करता है। शरीर का तापमान संतुलित रखने की इस प्रक्रिया में मस्तिष्क की कार्यक्षमता भी प्रभावित हो सकती है। यही कारण है कि कई लोगों को गर्मी में एकाग्रता की कमी, निर्णय लेने में परेशानी और मानसिक सुस्ती महसूस होती है।

रात का तापमान अधिक होने पर नींद की गुणवत्ता भी गिरती है। यदि व्यक्ति लगातार अच्छी नींद नहीं ले पाता तो अगले दिन उसका मूड प्रभावित हो सकता है। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आना, मन उदास रहना या काम में रुचि कम होना उसी का परिणाम हो सकता है। शोध बताते हैं कि अधिक तापमान और नींद में कमी का मानसिक स्वास्थ्य पर सीधा प्रभाव पड़ता है। कई लोग गर्मियों में यह कहते सुनाई देते हैं कि 'कुछ करने का मन नहीं करता ', 'हर समय बेचैनी रहती है' या 'बात-बात पर गुस्सा आता है '। यह सिर्फ आलस्य नहीं, बल्कि तापमान का मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी हो सकता है।

बढ़ती चिड़चिड़ाहट और भावनात्मक असंतुलन

गर्मी में शरीर अधिक पानी खोता है। यदि व्यक्ति पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पीता तो हल्का डिहाइड्रेशन भी मानसिक स्थिति पर असर डाल सकता है। इससे सिर भारी लगना, थकान, ध्यान भटकना और मूड बदलना शुरू हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार अत्यधिक गर्मी सामाजिक व्यवहार को भी प्रभावित करती है। जब व्यक्ति लगातार असहज महसूस करता है तो उसकी सहनशीलता घट सकती है। परिवारों में छोटे विवाद बढ़ सकते हैं और कार्यस्थलों पर तनाव अधिक महसूस हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों में पाया गया है कि बढ़ते तापमान के दौरान मानसिक तनाव, चिंता और व्यवहार संबंधी समस्याओं में वृद्धि देखी गई।

गर्मियों में कैसी हो आपकी दिनचर्या

गर्मियों में मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को संतुलित रखने के लिए दिनचर्या में कुछ बदलाव उपयोगी हो सकते हैं। सुबह जल्दी उठकर हल्की शारीरिक गतिविधि करें। सुबह की ताजी हवा मानसिक ऊर्जा बढ़ाने में मदद करती है। दिनभर थोड़े-थोड़े अंतराल पर पानी पीते रहें। प्यास लगने का इंतजार न करें। दोपहर के सबसे गर्म समय में अत्यधिक शारीरिक परिश्रम से बचें। नींद का नियमित समय रखें। सोने से पहले मोबाइल स्क्रीन का उपयोग कम करना बेहतर हो सकता है। आहार में तरबूज, खीरा, नारियल पानी, दही और मौसमी फलों जैसी चीजों को शामिल करें। यदि लगातार तनाव महसूस हो रहा हो तो कुछ मिनट ध्यान, गहरी सांस लेने के अभ्यास या संगीत के लिए निकालें।

इन संकेतों को नजरअंदाज न करें

यदि गर्मियों के दौरान कई दिनों तक लगातार उदासी, बेचैनी, अत्यधिक चिड़चिड़ापन, नींद की गंभीर समस्या या सामाजिक दूरी जैसी स्थितियां बनी रहें तो इसे केवल मौसम का असर मानकर छोड़ना ठीक नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार पहले से चिंता, अवसाद या अन्य मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों से गुजर रहे लोगों को गर्मियों में विशेष सावधानी रखनी चाहिए, क्योंकि अधिक तापमान उनके लक्षणों को और बढ़ा सकता है। बढ़ता तापमान अब केवल मौसम की खबर नहीं रह गया है। यह हमारे शरीर, भावनाओं और मानसिक संतुलन के बीच के रिश्ते को भी प्रभावित कर रहा है। ऐसे में गर्मी से बचाव का अर्थ सिर्फ धूप से बचना नहीं, बल्कि अपने मन की देखभाल करना भी है।

जीवन-ज्योति

शांति और सुख बाहर की वस्तु नहीं हैं, यह हमारे भीतर की स्थिति है

सिस्टर बीके शिवानी
मोटिवेशनल स्पीकर

हम जीवन में अक्सर सुख को बाहर खोजते हैं। हमें लगता है कि अगर परिस्थितियां अच्छी होंगी, लोग हमारे अनुसार व्यवहार करेंगे, काम में सफलता मिलेगी या परिवार में सब कुछ मनमुताबिक होगा, तब हम शांत और सुखी रह पाएंगे। लेकिन वर्षों के अनुभव और आध्यात्मिक समझ ने मुझे यह सिखाया है कि शांति और सुख बाहर की वस्तु नहीं हैं, यह हमारे भीतर की स्थिति है।

मैं हमेशा कहती हूं कि मन एक बच्चे की तरह होता है। जिस प्रकार एक छोटे बच्चे को प्रेम, ध्यान और सही दिशा की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार हमारे मन को भी जरूरत होती है। लेकिन हम क्या करते हैं? हम पूरे दिन अपने मन को चिंता, तुलना, गुस्सा, शिकायत और नकारात्मक विचारों से भरते रहते हैं और फिर उम्मीद करते हैं कि हमारा मन शांत रहे। ऐसा संभव नहीं है।

हम सुबह उठते ही मोबाइल देखते हैं, समाचार देखते हैं, दूसरों के विचार सुनते हैं और उसी समय अपने मन के दरवाजे पर अनेक प्रकार की ऊर्जाओं को प्रवेश दे देते हैं। लेकिन क्या हम दिन की शुरुआत अपने भीतर की शांति से करते हैं? क्या हम अपने मन से पूछते हैं कि आज उसकी स्थिति कैसी है? यदि नहीं, तो हमें यह आदत बनानी होगी।

मैं मानती हूं कि मन का सुख इस बात पर निर्भर नहीं करता कि हमारे पास कितना है। मन का सुख इस पर निर्भर करता है कि हम जो कुछ है, उसके प्रति कितना संतोष रखते हैं। संतोष का अर्थ यह नहीं कि हम आगे बढ़ना छोड़ दें। संतोष का अर्थ है कि हम वर्तमान क्षण को स्वीकार करें और खुशी के साथ आगे बढ़ें।

यदि किसी ने हमारे साथ गलत व्यवहार किया, तो अक्सर हम सोचते हैं कि उसने हमारी शांति छीन ली। लेकिन मैं कहती हूं कि हमारी शांति हमारी अपनी शक्ति है। कोई दूसरा उसे हमसे छीन नहीं सकता जब तक हम स्वयं उसे छोड़ न दें।

हर दिन कुछ मिनट अपने लिए निकालिए। शांति से बैठिए। अपने मन से कहिए – 'मैं शांत हूं, मैं शक्तिशाली हूं, मैं प्रेम से भरा हुआ हूं।' धीरे-धीरे यह शब्द केवल वाक्य नहीं रहेंगे, बल्कि आपकी वास्तविक स्थिति बनने लगेंगे।

जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल सफलता नहीं है। सबसे बड़ी उपलब्धि है परिस्थितियों के बीच भी स्थिर रहना। जब बाहर तूफान हो और भीतर शांति हो, तब मन सच्चा सुख अनुभव करता है।

याद रखिए, शांति कोई मंजिल नहीं है जहां हमें पहुंचना है। शांति हमारा स्वभाव है, हमें केवल उसे फिर से पहचानना है। '

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 24 मई से 30 मई तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेषः राशि आगामी सप्ताह में मेष राशि के जातकों को अत्यंत व्यस्तता एवं भाग दौड़ भरी जिंदगी रहने के संकेत हैं कार्य की अधिकता होने के कारण आपको अनेक स्थानों पर अनेक कार्यों को संपन्न करना होगा प्रसन्नता की बात यह है कि आपके परिवार में मांगलिक कार्य का शुभारंभ हो सकता है।

वृषभः राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे विगत दिनों से किया गया परिश्रम इस सप्ताह में फलीभूत होने के संकेत हैं। आप अपने कार्यों में निरंतरता रखें और कठिन परिश्रम कार्य सिद्धि का सूत्र बनेगा।

मिथुनः राशि के जातक घर परिवार के कार्यों के कारण कुछ चिंता ग्रस्त हो सकते हैं पारिवारिक जिम्मेदारियां घर में किसी बुजुर्ग के स्वास्थ्य के कारण आपको चिंता हो सकती है। व्यापार व्यवसाय में उतार चढ़ाव और कृषि के क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को सामान्य कष्ट का संकेत मिल रहा है।

कर्कः राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत अनुकूल रहने के संकेत हैं युवावस्था वाले जातकों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता साथी व्यापार व्यवसाय एवं नौकरी के क्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत मिल रहे हैं। स्त्री जातकों को अपने कार्यों में विशेष सफलता मिलेगी।

सिंहः राशि के जातकों को यह सप्ताह कुछ कठिनाई भरा हो सकता है विशेष रूप से आप बाद विवाद से बच्चे एवं अपने निकट सहयोगियों से सामंजस्य बनाकर रखें अन्यथा आपको विवाद में पढ़ने से कष्ट हो सकता है।

कन्या : राशि के जातकों को यह सप्ताह उत्तम लाभकारी सिद्ध होगा आपके व्यापार व्यवसाय एवं कार्य क्षेत्र में निरंतर प्रगति होगी। साथी घर परिवार के लंबित कार्य संपन्न होने से परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

तुलाः राशि के जातक आगामी सप्ताह में बेहतर प्रदर्शन करके अपने कार्यक्षेत्र में प्रगति करेंगे ,मान सम्मान ,प्रतिष्ठा और धन की भी प्राप्ति होगी। अपने कार्य क्षेत्र में विस्तार करने का अवसर प्राप्त होगा। अधीनस्थों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक : राशि के जातक आगामी सप्ताह में वृश्चिक राशि के जातक आगामी सप्ताह में आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, निरंतर कार्य करने से आपके लंबित कार्य पूर्ण होने का संकेत मिल रहा है, जो आपके जीवन में विशेष बदलाव ला सकता है।

धनु : राशि के जातक घर परिवार में और अपने कार्य क्षेत्र में अपने संगी साथियों के साथ सामंजस्य बनाकर रखें अन्यथा आप किसी अप्रिय विवाद में पढ़ सकते हैं। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें और बातचीत में शब्दों का चयन सावधानी पूर्वक करें ,अन्यथा विवाद से आपको आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मकरः राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे आपके कार्यों में आपकी कार्यशैली का स्पष्ट प्रभाव दिखेगा, धैर्य से काम करने की प्रवृत्ति होने के कारण आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होंगे।

कुंभः राशि के जातक आगामी सप्ताह में कुछ कठिनाई का अनुभव कर सकते हैं आपके कार्यों की उपेक्षा एवं आपके मान सम्मान में कमी करने का प्रयास किया जा सकता है जो की सफल नहीं होगा अपितु आपको संयम से काम लेने की आवश्यकता है, साथी आप अपने कार्यों में निरंतर रखें उच्च स्तर पर आपका मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा बनी रहेगी।

मीन : राशि के जातकों को यह सप्ताह विगत सप्ताह की अपेक्षा अधिक अनुकूल रहने के संकेत मिल रहे हैं आपके जीवन में बदलाव के लिए इस सप्ताह में कोई नया कार्य का शुभारंभ हो सकता है, साथी आए के साधन व्यापार व्यवसाय एवं कृषि के कार्यों में बदलाव होकर सकारात्मक लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

दिया कबीरा रोय

केवल बैठने की चीज नहीं कुर्सी ...

रजनीश कौशल

हमारे देश में कुर्सी केवल बैठने की चीज़ नहीं होती; यह व्यक्ति के चरित्र, रिश्ते और सिद्धांत तक बदल देती है। गाँव की पंचायत से लेकर राजधानी के बड़े दफ्तरों तक कुर्सी का अपना अलग ही धर्मग्रंथ है। जिस दिन किसी को कुर्सी मिलती है, उसी दिन उसकी चाल बदल जाती है। पहले जो आदमी गली में सबको 'राम-राम' करता फिरता था, अब वही चश्मा नीचे खिसकाकर लोगों को ऐसे देखता है जैसे जनता नहीं, फाइलें हों।

एक छोटे कस्बे में वर्षों से साधारण जीवन जीने वाले शर्मा जी अचानक समिति के अध्यक्ष बन जाते हैं। कल तक जो चाय की दुकान पर उधार पीते थे, आज वही कुर्सी पर बैठते ही 'नीति' और 'व्यवस्था' की बातें करने लगते हैं। उनकी आवाज़ में इतना भारीपन आ जाता है मानो संविधान उन्हीं की जेब में रखा हो। सबसे पहले उन्होंने अपने कमरे का दरवाज़ा बदलवाया। कारण यह कि पुराना दरवाज़ा 'पद की गरिमा' के अनुरूप नहीं था। फिर एक घंटी रखवाई गई। घंटी बजते ही चपरासी दौड़ता हुआ आता, जबकि काम कुछ भी नहीं होता। कभी पानी, कभी फाइल, कभी सिर्फ़ यह पूछना कि 'बाहर कितने लोग बैठे हैं?' उन्हें यह जानकर आत्मिक शांति मिलती कि लोग उनका इंतज़ार कर रहे हैं।

धीरे-धीरे शर्मा जी का परिवार भी कुर्सीमय हो गया। उनकी पत्नी ने पड़ोसियों से बात करना कम कर दिया क्योंकि अब वे 'अध्यक्ष महोदया' कहलाना पसंद करती थीं। बेटा स्कूल में दोस्तों को धमकाने लगा– 'जानते नहीं मेरे पापा कौन हैं?' यहाँ व्यंग्यकार बड़ी सहजता से दिखाते हैं कि कुर्सी केवल व्यक्ति को नहीं, पूरे घर को संक्रमित कर देती है।

एक दिन कस्बे में बाढ़ आ गई। लोग सहायता माँगने अध्यक्ष जी के पास पहुँचे। शर्मा जी ने तुरंत बैठक बुलाई। बैठक में चाय आई, बिस्कुट आए, भाषण हुए, प्रस्ताव पारित हुए–लेकिन राहत सामग्री नहीं पहुँची। व्यंग्य यहीं सबसे तीखा हो जाता है। लेखक बताता है कि हमारे यहाँ समस्या से ज़्यादा महत्वपूर्ण उसकी समीक्षा बैठक होती है।

शर्मा जी हर बात पर कहते– 'प्रशासन गंभीर है।' जनता समझ नहीं पाती कि प्रशासन गंभीर है या समस्या। गाँव वाले नाव माँग रहे थे और दफ्तर में बाढ़ पर कविता पढ़ी जा रही थी। एक सदस्य ने सुझाव दिया कि पहले फोटो खिंचवा लेते हैं ताकि अखबार में छप जाए। सबने सहमति जताई, क्योंकि आजकल राहत से अधिक ज़रूरी उसका प्रचार होता है।

कुछ महीनों बाद चुनाव आए। वही जनता, जो घंटों बाहर बैठकर शर्मा जी का इंतज़ार करती थी, अब उनसे नज़रें चुराने लगी। कुर्सी हिलते ही शर्मा जी को अचानक फिर से पुरानी विनम्रता याद आने लगी। वे फिर चाय की दुकान पर दिखाई देने लगे और हर किसी को 'भाई साहब' कहकर संबोधित करने लगे। चुनाव हारने के बाद शर्मा जी अपने पुराने कमरे में बैठते हैं। वहाँ अब न घंटी है, न चपरासी, न भीड़। केवल एक टूटी हुई कुर्सी बची है। वे उस कुर्सी को बड़े प्रेम से देखते हैं, मानो कोई पुराना मित्र बिछड़ गया हो। लेखक संकेत देता है कि हमारे समाज में व्यक्ति नहीं बदलता, कुर्सी बदलती है–और वही सबको बदल देती है।

टनल ऑफ लव

यूक्रेन का एक रेलवे ट्रैक, प्रेमी जोड़ों की किस्मत बदलने वाली जगह !

दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं, जो अपनी खूबसूरती और रहस्यमयी कहानियों की वजह से लोगों को आकर्षित करती हैं। कहीं ऊंचे पहाड़ लोगों का दिल जीत लेते हैं, तो कहीं झीलों और जंगलों का नजारा पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। लेकिन एक जगह ऐसी भी है, जिसे खास तौर पर प्यार करने वालों की जगह माना जाता है। कहा जाता है कि यहां आने वाले प्रेमी जोड़ों की किस्मत बदल जाती है। यही वजह है कि इस जगह को 'टनल ऑफ लव' यानी प्रेम की सुरंग कहा जाता है। टनल ऑफ लव असल में कोई पत्थरों या पहाड़ों से बनी सुरंग नहीं है। यह एक रेलवे ट्रैक है, जिसके चारों तरफ घने पेड़ और झाड़ियां मौजूद हैं। समय के साथ इन पेड़ों की शाखाएं आपस में इस तरह जुड़ गईं कि पूरा रास्ता एक प्राकृतिक सुरंग जैसा दिखाई देने लगा। हर मौसम में यह जगह अलग रंग में नजर आती है। गर्मियों में यहां हरियाली की चादर बिछी रहती है, जबकि पतझड़ के मौसम में पीले और नारंगी पत्ते इसकी खूबसूरती को और बढ़ा देते हैं। यही कारण है कि यह जगह फोटोग्राफरों और नए शादीशुदा जोड़ों के बीच काफी लोकप्रिय है।

दिलचस्प कहानियां : यह मशहूर टनल यूक्रेन के रिव्ने इलाके में क्लेवन शहर और ओरजिव गांव के बीच स्थित है। यहां आज भी ट्रेन के लिए ट्रैक मौजूद है और एक मालगाड़ी रोज इस रास्ते से गुजरती है। जब ट्रेन गुजरती है, तो पेड़ों की शाखाएं उससे टकराकर अपने आप एक खास आकार में कटती रहती हैं। इसी वजह से यह रास्ता एक सुंदर प्राकृतिक सुरंग जैसा दिखता है। टनल ऑफ लव को लेकर कई दिलचस्प कहानियां मशहूर हैं। पुरानी कहानियों के अनुसार, बहुत समय पहले यह जगह उन प्रेमी जोड़ों का छिपने का ठिकाना हुआ करती थी, जो अपने प्यार के लिए घर से भाग जाते थे। कहा जाता है कि यहां आने वाले प्रेमियों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यही वजह है कि आज भी कपल्स यहां घूमने और फोटोशूट करवाने दूर-दूर से पहुंचते हैं। इस टनल से जुड़ी एक और रोमांटिक कहानी भी काफी मशहूर है।

कहा जाता है कि एक युवा पोलिश इंजीनियर क्लेवन की एक लड़की से प्यार करता था। अपनी प्रेमिका तक जल्दी पहुंचने के लिए उसने जंगल के बीच से सीधा रेल मार्ग बनवा दिया। हालांकि इस कहानी के पक्के सबूत नहीं हैं, लेकिन लोग आज भी इसे बड़े दिलचस्प तरीके से सुनाते हैं।

फर्जी डॉक्टरों का नेटवर्क

पिछले 5 साल में 42 संविदा डॉक्टर्स का इस्तीफा, किशोरी की मौत से मचा हड़कंप

दमोह। दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के जरिए जिलों में नियुक्त कथित फर्जी डॉक्टरों के मामले में एनएचएम-मध्यप्रदेश ने सभी जिलों के सीएमएचओ को संविदा डॉक्टरों के दस्तावेजों का सत्यापन कराने को कहा है। निर्देश हालफि लहाल संविदा पर कार्यरत डॉक्टरों तक सीमित है। दमोह पुलिस के हत्थे चढ़े भोपाल के आरोपी रेडियोग्राफर हीरा कौशल के कबूलनामे के अनुसार वह यह काम बीते 4 साल से कर रहा है। यानी जिलों में इस दौरान नियुक्त संविदा डॉक्टरों के दस्तावेजों की जांच होनी चाहिए। जिले में 2021 से 42 संविदा डॉक्टर इस्तीफा देकर जा चुके इनमें से कई के फर्जी डिग्री वाले होने का अंदेशा है। उधर, आरोपी सचिन यादव (तस्वीर में), राजपाल गौर ने पुलिस को संतोषजनक जवाब नहीं दिए। शुक्रवार को कोर्ट से 4 दिन की रिमांड मिली। हीरा भी रिमांड पर है। डिग्री बनाने वाले की तलाश में पुलिस ग्वालियर गई है। दमोह सीएमएचओ डॉ. राजेश अठ्या ने जिले के संविदा डॉक्टरों को डिग्री और रजिस्ट्रेशन नंबर सत्यापित कराने पत्र जारी किए हैं। हालांकि यह संजीवनी क्लीनिकों में पदस्थ नहीं हैं। दमोह एएसपी सुजीत भदौरिया के अनुसार दो आरोपी डॉक्टरों की रिमांड बढ़ाई गई है। इधर एक मामला 17 वर्षीय लड़की की मौत का भी सामने आया है। दमोह के पटेरा थाना अंतर्गत ग्राम महेवा में इस किशोरी की मौत के मामले में जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई की है। गंभीर अनियमितताएं सामने आने के बाद जीवन-ज्योति संस्थान सील कर दिया गया है। मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी के अनुसार किशोरी को 21 मई की रात अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजन ने शिकायत दर्ज कराई थी कि इलाज लीलाधर चौधरी द्वारा किया गया था। स्वास्थ्य विभाग की टीम और पुलिस ने अस्पताल का निरीक्षण किया।जांच में पाया गया कि लीलाधर की शैक्षणिक योग्यता बीईएमएस (बैचलर ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथी) थी, जो एलोपैथिक उपचार के लिए मान्य नहीं है। उनका मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में वैध पंजीयन भी नहीं मिला।

19 मई को सूखे कुएं में मिली जली हुई लाश की गुत्थी सुलझी

बेटे ने दी पिता की हत्या की सुपारी, काम होने के बाद ऑनलाइन ट्रांसफर किए पैसे

सीधी। दोपहर मेट्रो

जिले से रिश्तों के कत्ल की एक बेहद चौंका देने वाली खबर सामने आई है। यहां जिस बेटे ने पिता की उंगली पकड़कर चलना सीखा, उसी ने पिता की हत्या करवा दी। बेटे ने पिता की हत्या की सुपारी दी और पिता की हत्या होने के बाद हत्यारों को ऑनलाइन पैसे भी ट्रांसफर भी किए। पुलिस ने वारदात का खुलासा करते हुए आरोपी बेटे सहित सुपारी देकर हत्या करने वाले 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने रिश्तों के कत्ल की इस वारदात का खुलासा करते हुए बताया कि जिले के करमाई पड़ोहर टोला गांव का रहने वाला 56 वर्षीय राजभान अगरिया 16 मई की रात से लापता था। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। इसी बीच 19 मई को सूखे कुएं से तेज दुर्गंध आने पर जब ग्रामीण कुएं के पास पहुंचे तो उसमें एक जला हुआ शव नजर आया। शव देखते ही ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को सूखे कुएं से बाहर निकाला। शव जली हालत में था जिसकी बाद में पहचान लापता राजभान अगरिया के तौर पर हुई। पोस्टमार्टम में सिर पर गंभीर चोट और जलाने के साक्ष्य मिलने के बाद हत्या की पुष्टि हुई और पुलिस ने मामले की जांच तेज की।

बेटे ने ही रची थी साजिश

जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल डिटेल और पूछताछ के आधार पर खुलासा किया कि मृतक का पुत्र कमलभान अगरिया अपने पिता के व्यवहार और आए दिन होने वाले विवादों के कारण नाराज था। उसने अपने परिचित रबी सिंह गोंड़ को पिता की हत्या के लिए पांच हजार रुपए देने की बात कही थी। साजिश के तहत आरोपियों ने 16 मई की रात राजभान को घर से बाहर बुलाकर डंडों और खूंटे से हमला कर हत्या कर दी। इसके बाद शव को कंबल में लपेटकर सूखे कुएं में फेंक दिया गया और पहचान मिटाने के लिए आग लगा दी गई। वारदात के बाद कमलभान ने मोबाइल ट्रांजेक्शन के जरिए आरोपियों को पांच हजार रुपए भेजे थे।

दस आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने मामले में रबी सिंह गोंड़, कमलभान अगरिया, राजगोपाल सिंह गोंड़, चंद्रबली सिंहू, ज्ञानेंद्र सिंह, नीरज सिंह, नीरज सिंह गोंड उर्फ किशन, अजय प्रताप, रिंकू कोल और शनी सिंह को गिरफ्तार किया है। सीधी एसपी संतोष कोरी ने कहा है कि जघन्य अपराधों में संलिप्त किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। मझौली पुलिस ने अत्यंत गंभीर एवं अंधे हत्या प्रकरण का खुलासा कर उत्कृष्ट कार्य किया है। जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

नरसिंहपुर में तेज रफ्तार डंपर ने युवक को कुचला, गुस्साए लोगों ने किया चक्का जाम

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

नरसिंहपुर जिले में संसारखेड़ा रेत खदान के पास रेत से भरे तेज रफ्तार डंपर ने एक युवक को कुचल दिया। डंपर का टायर युवक के ऊपर से गुजर गया, जिससे उसकी हड्डियां चकनाचूर हो गईं। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान 20 वर्षीय शैलेश पिता इंदर के रूप में हुई है। हादसे के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। परिजन और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने स्टेट हाईवे-44 पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया।

रीवा में जैन साध्वियों की मृत्यु पर फूटा आक्रोश कैंडल मार्च निकालकर दर्ज कराया विरोध

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

रीवा में दिगंबर जैन साध्वियों के साथ हुई दर्दनाक घटना को लेकर पूरे देश की जैन समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। इसी कड़ी में शनिवार को गंजबासौदा में सकल जैन समाज एवं अभय सेना के तत्वावधान में विशाल कैंडल मार्च निकालकर दिवंगत आर्यिकाओं को विनयांजलि अर्पित की गई। ज्ञात हो कि 20 मई की सुबह रीवा में नित्य क्रिया से लौट रही दिगंबर जैन साध्वियों को एक चार पहिया वाहन ने टक्कर मार दी थी। इस हादसे में एक साध्वी की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल दूसरी साध्वी ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना में संघ के साथ चल रहे श्रद्धालु भी घायल हुए हैं, जिनका उपचार जारी है। घटना के सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद जैन समाज ने इसे सुनियोजित घटना बताते हुए कड़ा विरोध जताया है।

घटना के विरोध में नगर के सभी जिनालयों में शोक सभाएं आयोजित की गईं। वहीं शनिवार को स्थानीय सुभाष चौक स्थित निज निवास पर भक्तांबर पाठ के बाद कैंडल मार्च निकाला गया। मार्च सुभाष चौक से प्रारंभ होकर नेहरू चौक एवं मुख्य मार्ग से होते हुए विजय स्तंभ चौक पहुंचा। कैंडल मार्च में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष, युवा और बच्चे शामिल हुए। सभी लोगों ने हाथों में काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया तथा मोबाइल की रोशनी और कैंडल जलाकर दिवंगत आर्यिकाओं को श्रद्धांजलि दी। जय स्तंभ चौक पर समाजजनों ने घटना के विरोध में नारेबाजी करते हुए आरोपियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की। इस दौरान समाजजनों ने संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की शिष्या आर्यिका श्रुतमति माताजी एवं आर्यिका उपशममति माताजी को विनयांजलि अर्पित करते हुए शासन से मांग की कि आरोपी पर हत्या का मामला दर्ज किया जाए तथा विहार के दौरान जैन साधु-साध्वियों को विशेष सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए।

हाईवे पर दो ट्रक से 40 से ज्यादा मवेशी बरामद, 6 गिरफ्तार

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

बीती रात एनएच-46 पर पेट्रोलिंग के दौरान केसला पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दो ट्रकों में क्रूरतापूर्वक भरे गए करीब 40 मवेशियों को बरामद किया। दोनों वाहनों के चालक व सहयात्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सभी पशुओं को सुरक्षित तरीके से केसला गौशाला में भेज दिया गया है और दोनों ट्रक जब्त कर लिए गए हैं। घटना की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी मदन सिंह पवार ने बताया कि पुलिस टीम रात्रि गश्त पर थी। बनवारी के खेत के पास दो संदिग्ध वाहन खड़े दिखे। पूछताछ पर वाहन चालकों ने बताया कि ट्रकों में पशु भरे हुए हैं, किन्तु जब उनसे पशुओं से जुड़ी वैध दस्तावेज और परमिट मांगे गए तो आरोपी कोई कागजात पेश नहीं कर सके।

ट्रक में मिले मवेशियों की स्थिति भयावह थी। वाहन से 10 पाड़ा, 6 पड़िया, 4 भैंस व 1 मृत पाड़ा बरामद हुआ। उक्त ट्रक के पंचनामे सहित अन्य कार्रवाई सहायक निरीक्षक अनंतराम लोधी ने की। थाना प्रभारी के अनुसार पशुओं के मुंह बांधकर उन्हें जर्जर परिस्थितियों में ठूंस-ठूंसकर भरा गया था और वे भोपाल के कत्लखाने ले जाए जा रहे थे। इस मामले में शेखर भाट (निवासी न्यास कॉलोनी, इटारसी), बनानाथ (निवासी सोनाघाटी, जिला बैतूल) व जितेंद्र नाथ को गिरफ्तार किया गया है। वहीं दूसरे ट्रक से भी क्रूरता की तस्वीर सामने आई। वाहन से 10 पाड़ा, 2 पड़िया व 7 भैंस बरामद हुईं। इस वाहन में भी पशुओं को जकड़ कर भरा गया था। उक्त मामले मे पंचनामे सहित अन्य कार्रवाई प्रधान आरक्षक दीपक ठाकुर नें की है दूसरी एफआईआर में संजू नायक (निवासी न्यास कॉलोनी, इटारसी), शंकर उर्फ शेखर मेढकर (निवासी कटकुड़खाना, थाना चिचोली, जिला बैतूल) व रितेश चौहान (निवासी ग्राम गढ़ा) को हिरासत में लिया गया है।

पुलिस ने आरोपियों पर पशु क्रूरता निवारण अधिनियम एवं मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। दोनों वाहनों को जब्त कर आगामी जांच शुरू कर दी गई है। जांच में पुलिस पूरे नेटवर्क और पशु खरीद-फरोख्त से जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान कर रही है।

वर्षों पुराना पेड़ अचानक गिरने से बिजली आपूर्ति हुई बाधित

पांदुर्णा। दोपहर मेट्रो

शहर के खारी वार्ड में रविवार सुबह बड़ा हादसा टल गया। यहां वर्षों पुराना विशाल आम का पेड़ अचानक बिजली के तारों को तोड़ते हुए धराशायी हो गया। घटना से पूरे इलाके की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। घटना सुबह के समय हुई, जब गली में लोगों की आवाजाही कम थी। स्थानीय रहवासियों के अनुसार, यदि यह पेड़ दिन के समय गिरता तो बड़ा हादसा हो सकता था, क्योंकि इस गली में लोगों का आवागमन लगातार बना रहता है।

कटनी में अवैध रेत उत्खनन से परेशान ग्रामीणों ने मोर्चा खोला

कटनी। दोपहर मेट्रो

जिले के बसाडी और लालपुर क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन से परेशान ग्रामीणों ने मोर्चा खोल दिया। ग्रामीणों ने अवैध रेत परिवहन कर रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को घेरकर रोक लिया और पुलिस को सूचना दी। हालांकि पुलिस के समय पर न पहुंचने का फायदा उठाकर ड्राइवर ने सड़क पर ही रेत खाली कर दी।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मोटर व्हीकल एक्ट में केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

मेट्रो एंकर — आवास और शहरी कार्य संबंधी स्थायी समिति की अहम बैठक आयोजित

जीआईएस-आधारित मास्टर प्लानिंग तथा टीसीपीओ की भूमिका पर रखे विचार

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नई दिल्ली स्थित संसद भवन विस्तार के समिति कक्ष संख्या 3 में आज आवास और शहरी कार्य संबंधी स्थायी समिति की अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें नर्मदापुरम (मध्य प्रदेश) से राज्यसभा सांसद व समिति सदस्य माया नारोलिया ने भाग लिया और जीआईएस-आधारित मास्टर प्लानिंग तथा टीसीपीओ की भूमिका पर जोरदार विचार रखें।

बैठक का विषय था जीआईएस-आधारित मास्टर प्लानिंग और नगर एवं ग्राम नियोजन संगठन की भूमिका और कार्यप्रणाली। सदस्यों ने देश के समक्ष खड़ी प्रमुख शहरी चुनौतियों – एकीकृत नियोजन ढांचे की कमी, सिकुड़ते जल निकाय (ब्लू-ग्रीन नेटवर्क), अर्बन हीट आइलैंड के प्रभाव, जल भराव और बढ़ते प्रदूषण – पर विस्तृत चर्चा की। माया नारोलिया ने आगामी 20 वर्षों में अनुमानित 10 करोड़ अतिरिक्त परिवारों के समायोज्य होने को देश के लिए बड़ा चुनौती और अवसर बताते हुए कहा कि पारंपरिक मानचित्रों के स्थान पर रिमोट सेंसिंग, ड्रोन/ यूएवी और अन्य आधुनिक भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों के उपयोग से

तैयार किया गया 'जीआईएस-आधारित मास्टर प्लान' नगरीय नियोजन में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे मास्टर प्लान्स शहरों के दीर्घकालिक, समग्र और टिकाऊ विकास को सुनिश्चित करेंगे। सांसद नारोलिया ने अमृत और अमृत 2.0 के अंतर्गत तैयार हो रहे जियो-डेटाबेस और मास्टर प्लान्स की प्रगति की सराहना की। उन्होंने टाउन प्लानिंग स्कीम , लोकल एरिया प्लान और ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट जैसे आधुनिक नियोजन उपकरणों के माध्यम से न केवल शहरों के संरचनात्मक पुनर्विकास की बात कही, बल्कि सार्वजनिक स्थानों को विशेषकर महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित व सुलभ बनाने पर भी बल दिया। सांसद ने टीसीपीओ द्वारा राज्यों और शहरी स्थानीय निकायों को प्रदान किए जा रहे तकनीकी मार्गदर्शन, मॉडल बिल्डिंग बाय-लॉज तथा क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि छोटे और मध्यम नगर भी तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। उन्होंने कहा कि डिजिटल भू-स्थानिक संसाधनों और स्थानीय क्षमता निर्माण से इन नगरों का समावेशी और टिकाऊ विकास सम्भव है।बैठक में उपस्थित अन्य सदस्यों ने भी जीआईएस, सेंसिंग टेक्नोलॉजी और समेकित नियोजन के जरिये जल प्रबंधन, हरित नेटवर्क संरक्षण, और प्रदूषण नियंत्रण पर त्वरित तथा दीर्घकालिक कदम उठाने पर सहमति व्यक्त की। समिति ने परामर्श और मार्गदर्शक दस्तावेजों के माध्यम से राज्यों व नगर निकायों के साथ समन्वय बढ़ाने तथा तकनीकी हस्तक्षेपों के लिए मानक स्थापित करने का प्रस्ताव रखा।

न्यूज विंडो

उप मुख्य टिकट निरीक्षक संजय जैन पीसीसीएम अवार्ड से सम्मानित

सागर। पश्चिम मध्य रेल सागर में पदस्थ उप मुख्य टिकट निरीक्षक संजय जैन को उनकी उत्कृष्ट कार्यशैली, कर्तव्यनिष्ठा एवं उल्लेखनीय राजस्व अर्जन के लिए प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वरि. मंडल वाणिज्य प्रबंधक द्वारा नगद राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर दिया गया। ज्ञात हो कि संजय जैन फ्लाइंग स्क्वाड में उप मुख्य टिकट निरीक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके उत्कृष्ट कार्यों के परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2025-26 में लगभग 59.43 लाख रुपए का राजस्व अर्जित किया गया, जो विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। श्री संजय जैन की इस उपलब्धि पर विभागीय अधिकारियों, सहकर्मियों, परिजनों एवं मित्रों द्वारा हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाइयां प्रेषित की गई हैं।

शहर में बगैर सुरक्षा उपकरणों के नगरनिगम कर्मचारी करते हैं काम

रतलाम. मई माह इस साल खूब तप रहा हैं, पिछले 18-19 दिनों से दिन का तापमान शहर में 40 से 46 डिग्री सेल्सियस के मध्य चल रहा हैं। ऐसी तपती गर्मी में नगर निगम के सफाईकर्मी लोहे के सरिये हाथों में लेकर सीवरेज की चॉक लाइनें खोलने के लिए सुबह, दोपहर और शाम दौड़ते रहते हैं। जब जमीन से लेकर आसमान तक हर दिन आग उगल रहा है, हर कोई छांव, पंखा, कूलर या एसी से राहत पाने का प्रयास करता है, वहीं दूसरी तरफ ग्रीष्म ऋतु की भरी दोपहर में ये कर्मी बगैर किसी सुरक्षा उपकरण के, असुरक्षित ढंग से गर्म तपते लोहे के सरिये से सीवरेज की लाइनों को साफ करने के लिए घंटों मशक्कत करते हैं। सफाईकर्मियों ने बताया कि गर्मी के दिनों में उन्हें अधिक परेशानी होती है। सरिया बहुत गर्म हो जाता है। उनके पास सुरक्षा उपकरण नहीं हैं, और सरिया घुमाते समय कभी-कभी तो हाथों में छाले तक पड़ जाते हैं, पर काम तो करना ही पड़ता है। यह स्थिति उनके स्वास्थ्य के लिए भी जोखिम भरी है, क्योंकि उन्हें बिना दस्तानों या अन्य सुरक्षा साधनों के दूषित जल और गर्म धातु से निपटना पड़ता है। ये नजारे जहां भी सीवरेज चॉक होने या फिर उफनने की शिकायते मिलती है उन क्षेत्रों में आसानी से देखी जा सकती हैं। जवाहर नगर, सुभाष नगर, ज्योति नगर, इंदिरानगर, राजीव नगर हो या फिर अलकापुरी अधिकांश कॉलोनियों में आए दिन सीवरेज चॉक होने के कारण सडक़ों पर गंदा पानी बहता रहता है। कई स्थानों पर तो लोगों के घरों में भी गंदा पानी उल्टा आने लगता है। ऐसे में प्रतिदिन आने वाली शिकायतों पर सफाईकर्मियों को लगातार दौडऩा पड़ता है। सरिये से जब काम नहीं बनता हैं तो मशीनों का उपयोग किया जाता हैं।

हथियारों की डिलीवरी लेने आया था उप्र का गैंगस्टर, सामग्री जब्त

गैंगस्टर और हथियार बनाने वाले बदमाश को किया गिरफ्तार, चार देशी पिस्टल बरामद

धार। दोपहर मेट्रो

मनावर पुलिस ने अवैध हथियारों के निर्माण और तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की है, बाकानेर पुलिस चौकी ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर उत्तर प्रदेश के एक शातिर गैंगस्टर को गिरफ्तार किया है, जो यहाँ हथियार खरीदने आया था। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर अवैध हथियार बनाने वाले स्थानीय सिकलीगर को भी दबोच लिया है। आरोपियों के कब्जे से 4 देशी पिस्टल और भारी मात्रा में हथियार बनाने के उपकरण बरामद किए गए हैं। जप्त सामान की कुल कीमत 80 हजार से अधिक आंकी गई है ।

बाकानेर चौकी प्रभारी को सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध युवक अवैध हथियारों की डिलीवरी लेने आया है। पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ग्राम भगवानपुरा फाटा बाकानेर से आरोपी शिवम पिता सुधीन्द्र उर्फ छोटू गुरु शर्मा निवासी वाराणसी उत्तरप्रदेश को हिरासत में लिया। जब उसके बैग की तलाशी ली गई, तो उसमें से 4 देशी पिस्टल मय मैगजीन बरामद हुईं। कार्रवाई में मनावर थाना प्रभारी निरीक्षक ईश्वरसिंह, बाकानेर चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक प्रशांत पाल, प्रधान आरक्षक महेश जाट, प्रधान आरक्षक बिसन मुजाल्दा और आरक्षक राकेश कन्नौजे की मुख्य और सराहनीय भूमिका रही।

सिकलीगर भी गिरफ्तार

जब पुलिस ने यूपी के आरोपी शिवम से कड़ाई से पूछताछ की, तो उसने बताया कि ये पिस्टल उसने ग्राम बाकानेर के रहने वाले विकास उर्फ विक्की पिता विक्रमसिंह पंजाबी सिकलीगर से खरीदी हैं। पुलिस ने दबिश देकर आरोपी विकास उर्फ विक्कीको भी गिरफ्तार कर लिया। विकास ने खुद देशी पिस्टल बनाकर बेचने की बात कबूल की है। पुलिस ने उसके ठिकाने से ड्रिल मशीन, ग्राइंडर, कटर, पाइप के टुकड़े, स्टोव, प्लायर, पेचकश और हथौड़ी सहित हथियार बनाने की पूरी फैक्ट्री ज़ब्त की है।

आरोपियों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड

पकड़े गए दोनों आरोपी शातिर अपराधी हैं और उनके खिलाफ पहले से कई गंभीर मामले दर्ज हैं, आरोपी शिवम शर्मा के खिलाफ उत्तर प्रदेश के वाराणसी में डकैती, हत्या का प्रयास, अवैध शस्त्र रखने और यूपी गैंगस्टर एक्ट के तहत कुल 6 संगीन मामले दर्ज हैं। आरोपी विकास उर्फ विक्की बाकानेर इसके खिलाफ थाना मनावर में पहले से जुआ एक्ट और आर्म्स एक्ट के तहत 2 मामले दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों र आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब आरोपियों से विस्तृत पूछताछ कर रही है ताकि हथियारों की तस्करी के इस अंतरराज्यीय नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगो का भी पता लगाया जाए।

महापौर, एमआईसी सदस्यों ने स्कूटी से किया निरीक्षण, लोगों को ईंधन बचत का दिया संदेश

खंडवा। दोपहर मेट्रो

महापौर अमृता यादव ने एमआईसी सदस्यों और इंजीनियरों के साथ शहर में विभिन्न विकास कार्यों को देखा। इस दौरान 252 करोड़ के सीवरेज लाइन के निर्माण कार्यों को देखा। निरीक्षण की खास बात यह रही कि महापौर ने स्कूटी से निरीक्षण करने अमले के साथ फील्ड में पहुंची थीं।

महापौर ने कहा कि गुणवत्ता से किसी तरह का समझौता नहीं है। नवचंडी क्षेत्र में निर्माण कार्य को देखा। उन्होंने इंजीनियरों से कहा कि प्रत्येक 30 मीटर सीवरेज लाइन बिछाने के पश्चात उसे कवर करने से पहले क्षेत्रीय पार्षद को अनिवार्य रूप से सूचित करें। फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी के माध्यम से कार्य का रिकॉर्ड तैयार करें। संतुष्टि के बाद ही पाइप को बंद करें। आईटीआई ग्राउंड में रखे डैमेज पाइपों का निरीक्षण किया गया। क्षतिग्रस्त पाइपों की व्यवस्थित नंबरिंग एवं एंट्री करें। क्रैक या डैमेज पाइप का उपयोग न किया जाए। महापौर पदमकुंड पहुंचीं। निरीक्षण के दौरान गत वर्ष विसर्जित मूर्तियां को पूरी तरह पानी में गलने को लेकर चर्चा की गई। महापौर ने जनता से आग्रह किया कि कुंडों में मूर्ति विसर्जन न करें। पदमकुंड से दादाजी बस स्टैंड से पंधाना रोड स्थित दादाजी मंदिर पहुंच मार्ग का निरीक्षण किया। 400 मीटर लंबी एवं 6 मीटर चौड़ीसड़क निर्माण कार्य को भी देखा। ट्रांसपोर्ट नगर में मछली मार्केट की आवंटित 5 एकड़ भूमि का निरीक्षण किया गया। भूमि का उपयोग केवल फिश मार्केट तक सीमित न रखते हुए मटन एवं चिकन मार्केट के समेकित विकास किया भी किया जा सकता है, जिससे व्यवस्थित व्यापारिक केंद्र विकसित हो सके।

निरीक्षण की विशेष बात यह रही कि महापौर सहित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों-कर्मचारियों ने ईंधन बचत एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने इलेक्ट्रिक स्कूटी से विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। इससे ऊर्जा बचत का संदेश दिया गया। इस अवसर पर निगम अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा, राजेश यादव समेत अन्य प्रतिनिधि रहे।

जिम्मेदार मौन, प्रतिबंध के बाद भी धड़ल्ले से चल रही बोरिंग मशीनें

शहडोल/अनूपपुर। मध्य प्रदेश के शहडोल और अनूपपुर जिलों में बिना अनुमति संचालित हो रही बोरिंग मशीनों को लेकर प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रतिबंध और नियम लागू होने के बावजूद कई स्थानों पर खुलेआम बोरिंग का कार्य जारी है, लेकिन शिकायतों के बाद भी थाना और राजस्व विभाग द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार संबंधित थानों और राजस्व अधिकारियों को फोन के माध्यम से सूचना दी गई, इसके बावजूद मौके पर कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि प्रशासन को अवैध बोरिंग की जानकारी पहले से रहती है, फिर भी मशीनें लगातार संचालित होती रहती हैं। हाल ही में उमरिया जिले में एक बोरिंग मशीन जब्त किए जाने की कार्रवाई के बाद अब यह सवाल और गहरा गया है कि यदि एक जिले में कार्रवाई संभव है तो शहडोल और अनूपपुर में शिकायतों के बावजूद मशीनों पर रोक क्यों नहीं लगाई जा रही। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि कई मशीन संचालक बिना किसी वैध अनुमति के दिन-रात बोरिंग कर रहे हैं। इसके बावजूद न तो राजस्व विभाग द्वारा सख्त जांच की जा रही और न ही थाना स्तर पर कार्रवाई दिखाई दे रही है।

सांदीपनि स्कूल के प्रिंसिपल के घर से जेवर व नकदी चोरी

शिवपुरी। दोपहर मेट्रो

जिले के बदरवास में बेखौफ चोरों ने शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात एक बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने नगर के वार्ड क्रमांक 6 में रहने वाले सांदीपनि (सीएम राइज) स्कूल के प्रिंसिपल महेंद्र गुप्ता के घर पर धावा बोला। चोर घर से करीब एक करोड़ रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवर और नगदी पार कर ले गए हैं। चोर इतने शातिर थे कि वे लोहे की सीढ़ी के सहारे घर की दूसरी मंजिल तक पहुंचे और किचन की खिड़की तोड़कर अंदर प्रवेश किया। इस बड़ी चोरी से नगर में हड़कंप मच गया और पुलिस की रात्रि गस्त को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी महेंद्र कुमार गुप्ता उम्र 58 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 6 सांदीपनि (सीएम राइज) स्कूल में प्रिंसिपल के पद पर पदस्थ हैं। वो बदरवास में अपने परिवार के साथ रहते हैं। फरियादी महेन्द्र कुमार गुप्ता ने अपने पुत्र हर्षित गुप्ता के साथ थाने पहुंचकर घर में हुई चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में महेन्द्र कुमार गुप्ता ने पुलिस को बताया है कि 22 मई की रात करीब 10 बजे परिवार के सभी सदस्य खाना खाने के बाद अपने-अपने कमरों में सो गए थे। परिवार में उनकी पत्नी गिरजा गुप्ता, पुत्र हर्षित गुप्ता और बहू पूनम गुप्ता मौजूद थे। सुबह करीब 5 बजे जब महेंद्र गुप्ता की नींद खुली और उनने उठकर देखा तो सामने के दोनों कमरे अंदर से बंद थे। शक होने पर उन्होंने बालकनी से देखा तो किचन की खिड़की की लोहे की ग्रिल बाहर निकली हुई थी और मच्छर जाली उखड़ी हुई थी। उन्होंने तुरंत परिवार के दूसरे लोगों को जगाया और किसी तरह परिवार के लोग घर के अंदर पहुंचे तो सभी कमरों में सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी खुली हुई थी। चोर अलमारी में रखे सोने-चांदी के पुराने जेवर और नगदी टोरी कर ले गए हैं। चोरी गए सामान में सोने की 16 अंगूठियां, 12 टॉप्स, 4 मंगलसूत्र, 1 ठुस्सी, 1 हार, 4 चूड़ियां, 4 बाला, 1 गोल, 4 चैन और 4 मोहर शामिल हैं। इसके अलावा 20 जोड़ी चांदी की पायल, 4 हैवी पायल, 2 कमरपेटा और 1 खगुरिया और 10 लाख रुपये नकद चुरा ले गए हैं। पुलिस के अनुसार कुल लगभग 500 ग्राम सोना, 4 किलो चांदी और 10 लाख रुपये नकद चोरी हुए हैं। पुलिस ने पीड़ित महेन्द्र कुमार गुप्ता की शिकायत पर मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

थाना मोतीनगर क्षेत्र में हुई हत्या के मामले में एक और नाबालिग एवं अन्य आरोपी गिरफ्तार

सागर। दोपहर मेट्रो

थाना मोतीनगर क्षेत्र अंतर्गत विवेकानंद वार्ड मछरयाई स्थित गोंड बब्बा चबूतरा क्षेत्र में हुए हत्या एवं हत्या के प्रयास के सनसनीखेज प्रकरण में लगातार कार्यवाही करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मालूम विदित हो कि 21 मई की रात्रि लगभग 10:30 बजे पुरानी रंजिश को लेकर फरियादी ओम साहू एवं उसके भाई मयंक साहू के साथ आरोपियों द्वारा विवाद कर गाली-गलौज की गई थी। इसी दौरान आरोपियों द्वारा अवैध हथियार से फायर किया गया, जिससे मयंक साहू गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसकी उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। वहीं फरियादी ओम साहू पर भी चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल किया गया था।

घटना के बाद थाना मोतीनगर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए पूर्व में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए फरार आरोपियों की लगातार तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में थाना मोतीनगर पुलिस ने सतत दबिश, तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण एवं मुखबिर तंत्र को सक्रिय करते हुए आज एक नाबालिग बालक तथा अन्य आरोपी तुत्तू उर्फ शैलेंद्र रैकवार उम्र 22 वर्ष निवासी मेडिकल कॉलेज के सामने, तिरुपति पुरम, थाना गोपालगंज को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। प्रकरण में थाना मोतीनगर में मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश निरंतर जारी है तथा उनकी गिरफ्तारी हेतु संभावित स्थानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस अधीक्षक सागर अनुराग सुजानिया के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संजीव उइके एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक ललित कश्यप के नेतृत्व में की गई। प्रकरण में थाना प्रभारी मोतीनगर निरीक्षक जसवंत सिंह राजपूत एवं उनकी टीम द्वारा लगातार सतर्कता, सूझबूझ एवं प्रभावी रणनीति के साथ कार्यवाही करते हुए फरार आरोपियों की धरपकड़ हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे है।

मेट्रो एंकर भोजशाला में दर्शन के साथ आमसभा को करेंगे संबोधित, देवीजी घाट पर श्रमदान भी होगा, शुरु की तैयारियां

कल धार आएंगे मुख्यमंत्री यादव, विधायक ने दिया था न्यौता

धार। दोपहर मेट्रो

हाईकोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद धार स्थित भोजशाला में मां वाग्देवी के नियमित दर्शन और 365 दिन पूजा का अधिकार मिलने से हिंदू समाज में भारी उत्साह का माहौल है। इसी उत्साह में शामिल होने और मां वाग्देवी के दर्शन-पूजन के लिए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 25 मई को धार के एक दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। विधायक नीना वर्मा के निमंत्रण पर आ रहे मुख्यमंत्री धार में करीब दो घंटे रुकेंगे, जिसे लेकर जिला प्रशासन और भाजपा कार्यकर्ताओं ने तैयारियां तेज कर दी हैं। हालांकि मुख्यमंत्री का अंतिम मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम आना अभी शेष है, लेकिन जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने अपनी ओर से सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

प्रशासन को मिली प्रारंभिक सूचना के अनुसार, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 25 मई सोमवार को सुबह करीब 11 बजे धार हेलीपैड पहुंचेंगे। हेलीपैड से मुख्यमंत्री का काफिला शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सीधे भोजशाला पहुंचेगा। मुख्यमंत्री सबसे पहले भोजशाला में मां वाग्देवी के दर्शन और पूजन करेंगे। भोजशाला में दर्शन के बाद मुख्यमंत्री मोतीबाग चौक स्थित मैदान पर आयोजित एक विशाल आमसभा को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम के लिए मैदान पर एक बड़ा डोम तैयार किया जा रहा है, जहां जिलेभर से आने वाले हजारों कार्यकर्ताओं और आम जनता के बैठने की विशेष व्यवस्था की जा रही है। माना जा रहा है कि इस मंच से मुख्यमंत्री धारवासियों को भोजशाला लोक बनाए जाने की बड़ी सौगात दे सकते हैं। मुख्यमंत्री की इस आमसभा के लिए मंच पर प्रदेश और केंद्र के कई बड़े नेता मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में सीएम यादव के साथ कैलाश विजयवर्गीय (प्रभारी मंत्री), सावित्री ठाकुर (केंद्रीय राज्यमंत्री), विक्रम वर्मा (पूर्व मंत्री), नीना वर्मा (विधायक), नीलेश भारती (जिला अध्यक्ष) सहित करीब 40 वरिष्ठ नेता मंच साझा करेंगे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत करेंगे श्रमदान

धार्मिक आयोजन के साथ-साथ मुख्यमंत्री पर्यावरण और जल संरक्षण का संदेश भी देंगे। पारंपरिक जल स्त्रोतों, कुओं, बावड़ियों और नदियों के पुनरुद्धार के लिए प्रदेश में चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सीएम डॉ. यादव देवीजी मंदिर पहुंचेंगे। यहां पूजा-अर्चना करने के बाद वे स्थानीय जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं के साथ घाट पर श्रमदान भी करेंगे।मुख्यमंत्री के दौरे और सुरक्षा को देखते हुए धार पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। शहर में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। सभा परिसर और उसके आसपास के पूरे इलाके को नो-व्हीकल जोन घोषित किया गया है। शहर के प्रमुख मार्गों पर बैरिकेड्स लगाकर रूट डायवर्जन प्लान तैयार किया गया है ताकि आम जनता को असुविधा न हो।

उमरिया नगर परिषद पर उठे सवाल

स्वच्छ भारत मिशन की टीम आते ही क्यों याद आता है MRF सेंटर?

सालभर बंद रहता है कचरा प्रबंधन तंत्र

उमरिया।। दोपहर मेट्रो

स्वच्छ भारत मिशन की टीम के निरीक्षण के दौरान अचानक सक्रिय होने वाला नगर परिषद का MRF (मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) सेंटर अब सवालों के घेरे में है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पूरे साल जिस सेंटर में कचरे का सही ढंग से पृथक्करण और रीसाइक्लिंग नहीं होती, वही सेंटर अधिकारियों को केवल निरीक्षण और रैंकिंग के समय याद आता है। नागरिकों का कहना है कि शहर में जगह-जगह कचरे के ढेर दिखाई देते हैं, लेकिन स्क्रमन सेंटर में नियमित रूप से न तो सूखा-गीला कचरा अलग किया जाता है और न ही प्लास्टिक व अन्य अपशिष्ट का वैज्ञानिक निस्तारण होता है। इसके बावजूद जब स्वच्छ भारत मिशन की टीम पहुंचती है, तब आनन-फानन में सफाई अभियान, रंग-रोगन और मशीनों का प्रदर्शन शुरू हो जाता है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि नगर परिषद केवल दिखावटी स्वच्छता पर ध्यान दे रही है, जबकि जमीनी स्तर पर कचरा प्रबंधन व्यवस्था पूरी तरह लचर बनी हुई है। कई वार्डों में समय पर कचरा उठाव नहीं होने से दुर्गंध और बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। सवाल यह भी उठ रहा है कि यदि MRF सेंटर वास्तव में संचालित हो रहा है, तो सालभर कितना कचरा रीसाइक्लिंग के लिए भेजा गया, उसका रिकॉर्ड सार्वजनिक क्यों नहीं किया जाता? नागरिकों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और नियमित मॉनिटरिंग की मांग की है।

क्या एमएस धोनी बनेंगे सीएसके के अगले कोच

रविचंद्रन अश्विन के बयान ने मचा दी सनसनी

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन में खराब प्रदर्शन के बाद चेन्नई सुपर किंग्स में बड़े बदलावों की चर्चा तेज हो गई है। इसी बीच टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के एक बयान ने सोशल मीडिया पर तूफान ला दिया है। अश्विन ने इशारों-इशारों में ऐसा संकेत दिया है, जिसके बाद फैन्स अब महेंद्र सिंह धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स का अगला हेड कोच मानने लगे हैं।

आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स का प्रदर्शन उम्मीदों के बिल्कुल उलट रहा। ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में टीम 14 मैचों में सिर्फ 6 जीत हासिल कर पाई और प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई। लगातार हार और कमजोर

प्रदर्शन के बाद अब सबसे ज्यादा सवाल हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग पर उठ रहे हैं। हाल ही में फ्लेमिंग ने भी अपने भविष्य को लेकर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने साफ कहा था कि क्रिकेट में कोच का भविष्य हमेशा रिजल्ट तय करते हैं और आगे क्या होगा, इसका फैसला टीम मैनेजमेंट करेगा। इसी बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक फैन ने मजाक करते हुए लिखा कि अगर सीएसके नया कोच ढूंढ रही है, तो अश्विन को यह जिम्मेदारी नहीं देनी चाहिए क्योंकि वह मैच से पहले ही अपने यूट्यूब चैनल पर प्लेइंग इलेवन बता देंगे। अश्विन ने भी अपने खास अंदाज में जवाब देते हुए लिखा,मैं पूरी तरह सहमत हूं। मैं प्लेइंग इलेवन ही नहीं, बल्कि विपक्षी टीम को हमारी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की पूरी प्लानिंग भी बता दूंगा। रविचंद्रन अश्विन ने आगे मजाकिया अंदाज में कहा कि ऐसा करने पर एंटी करप्शन यूनिट उन्हें पकड़ लेगी और इससे उनकी खुद की असफलता भी तय हो जाएगी। लेकिन इसके बाद अश्विन ने जो लिखा, उसने इंटरनेट पर सनसनी मचा दी। उन्होंने कहा, जब महेंद्र सिंह धोनी हैं, तो फिर किसी और को ढूंढने की जरूरत ही क्या है? बस फिर क्या था- सोशल मीडिया पर फैन्स ने तुरंत चर्चा शुरू कर दी कि क्या भविष्य में एमएस धोनी चेन्नई सुपर किंग्स के हेड कोच बन सकते हैं?

मांसपेशियों के खिचाव से जूझ रहे माही

एमएस धोनी आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं खेल पाए। शुरुआत में वह पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव से जूझ रहे थे और वापसी की तैयारी के दौरान अंगूठे की चोट ने उन्हें पूरे सीजन से दूर कर दिया। हालांकि मैदान से बाहर रहने के बावजूद वह टीम सेटअप का अहम हिस्सा बने रहे। एमएस धोनी को क्रिकेट का सबसे बड़ा मास्टरमाइंड माना जाता है। मैच की स्थिति को पढ़ने की क्षमता, दबाव में शांत रहना और बड़े फैसले लेने की कला उन्हें एक आदर्श कोच बनाती है। सीएसके की संस्कृति, टीम मैनेजमेंट और खिलाड़ियों के साथ उनका रिश्ता भी बेहद मजबूत है।

लखनऊ पर जीत से पंजाब शीर्ष-चार में

प्लेऑफ की उम्मीदें जीवित श्रेयस-प्रभसिमरन चमके

लखनऊ। पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को सात विकेट से हराकर अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को जीवित रखा है। शनिवार को इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ ने जोश इंग्लिस की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 196 रन बनाए। जवाब में पंजाब किंग्स ने श्रेयस अय्यर की नाबाद शतकीय और प्रभसिमरन की अर्धशतकीय पारियों की सहायता से 18 ओवर में तीन विकेट पर 200 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। लगातार छह मुकाबलों में हार के बाद पंजाब जीत की पटरी पर लौट आई है। लखनऊ को हराकर टीम ने शीर्ष-चार में जगह बना ली और प्लेऑफ की

उम्मीदों को जीवित रखा है। टीम ने 14 में से सात मुकाबले जीतकर 15 अंक हासिल कर लिए हैं और नेट रन रेट +0.309 हो गया। अब पंजाब का प्लेऑफ में पहुंचना राजस्थान रॉयल्स पर निर्भर करेगा, जिसे रविवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में उतरना है। राजस्थान इस मैच को अगर अपने नाम करती हैं, तो प्लेऑफ का अंतिम टिकट उसी के नाम होगा।

प्लेऑफ से पहले आरसीबी को लगा तगड़ा झटका

इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज जैकब बेथेल चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2026 के प्लेऑफ मुकाबलों से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को बड़ा झटका लगा है। टीम के युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। बेथेल अब इंग्लैंड लौटेंगे, जहां उनकी चोट का आगे इलाज और मेडिकल जांच की जाएगी। यह खबर ऐसे समय आई है जब आरसीबी को क्वालिफायर-1 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहम मुकाबला खेलना है।

पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में हुए थे चोटिल

जैकब बेथेल को यह चोट पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले के दौरान लगी थी। फील्डिंग करते समय कैच पकड़ने की कोशिश में डाइव लगाते हुए उनकी बाएं हाथ की रिंग फिंगर चोटिल हो गई थी। इसी वजह से वह सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आरसीबी के आखिरी लीग मैच में भी नहीं खेले थे।

आरसीबी ने जारी किया आधिकारिक बयान- आरसीबी ने कहा, %जैकब बेथेल को पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान बाएं हाथ की रिंग फिंगर में चोट लगी। मेडिकल जांच के बाद वह आगे के मूल्यांकन के लिए इंग्लैंड लौटेंगे।

ईसीबी ने भी की पुष्टि- इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने भी खिलाड़ी की वापसी की पुष्टि की है। बोर्ड के अनुसार, बेथेल की मेडिकल टीम लगातार निगरानी करेगी ताकि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए उनकी उपलब्धता तय की जा सके।

प्लेऑफ से पहले आरसीबी की बढ़ी चिंता

आरसीबी ने इस सीजन शानदार प्रदर्शन करते हुए अंक तालिका में टॉप स्थान हासिल किया था। हालांकि, प्लेऑफ से ठीक पहले बेथेल का बाहर होना टीम के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है। वहीं, टीम के लिए राहत की खबर यह है कि स्टार ओपनर फिल सॉल्ट की वापसी हो चुकी है। उम्मीद है कि गुजरात टाइटंस के खिलाफ क्वालिफायर-1 में वह सीधे प्लेइंग इलेवन में नजर आएंगे।

वेंकटेश अय्यर ने निभाई थी ओपनिंग की जिम्मेदारी- सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पिछले मुकाबले में ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर ने ओपनिंग करते हुए 19 गेंदों में तेज 44 रन बनाए थे। लेकिन फिल सॉल्ट की वापसी के बाद उनके मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने की संभावना है।

कब और कहां होगा क्वालिफायर-1- आरसीबी और गुजरात टाइटंस के बीच आईपीएल 2026 का क्वालिफायर-1 मुकाबला जल्द खेला जाएगा। इस मैच की विजेता टीम सीधे फाइनल में जगह बनाएगी।

रोहित शर्मा की फिटनेस पर बखेड़ा...

मुंबई इंडियंस ने बताया फिट, बीसीसीआई को अब भी चिंता

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की फिटनेस पर बड़ा सस्पेंस खड़ा हो गया है। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहे रोहित को लेकर एक तरफ टीम मैनेजमेंट दावा कर रहा है कि वह पूरी तरह फिट हैं, जबकि दूसरी ओर रिपोर्ट के

मुताबिक भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड अब भी उनकी फिटनेस को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर रोहित शर्मा पूरी तरह फिट हैं, तो फिर वह लगातार सिर्फ इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर ही क्यों खेल रहे हैं। हैमस्ट्रिंग इंजरी से वापसी के बाद रोहित शर्मा आईपीएल 2026 में बल्लेबाजी करने तो उतर रहे हैं, लेकिन फील्डिंग करते नजर नहीं आ रहे। मुंबई इंडियंस उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में इस्तेमाल कर रही है। यही बात अब चर्चा और सवालों की सबसे बड़ी वजह बन गई है। मुंबई इंडियंस के हेड कोच महेला जयवर्धने ने इस पूरे मामले पर सफाई देते हुए कहा कि रोहित शर्मा पूरी तरह फिट हैं और उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर इस्तेमाल करना सिर्फ टीम कॉम्बिनेशन का हिस्सा है। बीसीसीआई सूत्र के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया, रोहित अब पहले से ज्यादा फिट और स्लिम दिख रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या उनका शरीर लगातार हाई-परफॉर्मेंस क्रिकेट का दबाव झेल पाएगा। वनडे में 50 ओवर फील्डिंग करनी होती है और 40 साल की उम्र के करीब शरीर को रिकवर होने में ज्यादा समय लगता है।

गौतम गंभीर बचाएंगे या जाएगी कप्तानी?

सूर्यकुमार पर जल्द बड़ा फैसला वर्मा भी टी 20 कैप्टेंसी की रेस में

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टी20 टीम में जल्द बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव की जगह अब पूरी तरह सुरक्षित नहीं मानी जा रही है। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक उनकी कप्तानी का भविष्य काफी हद तक हेड कोच गौतम गंभीर के हाथों में है। एक समय टी20 क्रिकेट के सबसे खतरनाक बल्लेबाज माने जाने वाले सूर्यकुमार पिछले एक साल से लगातार खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में भी उनका बल्ला उम्मीद के मुताबिक नहीं चला है। वो 12 पारियों में वह सिर्फ 210 रन ही बना सके हैं, जबकि उनका औसत 18 से भी कम रहा है। इसी प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं की चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय चयन समिति अब इस बात पर गंभीरता से विचार कर रही है कि अगर कोई खिलाड़ी सिर्फ बल्लेबाज के तौर पर अपनी जगह पक्की नहीं कर पा रहा, तो उसे कप्तानी क्यों दी जाए। एक वरिष्ठ बीसीसीआई सूत्र ने कहा, अगर कोई खिलाड़ी बल्लेबाज के तौर पर अपनी जगह नहीं बचा पा रहा, तो उसके लिए कप्तान बने रहना मुश्किल हो जाता है। लेकिन इस पूरी कहानी में सबसे बड़ा ट्विस्ट गौतम गंभीर हैं।

सूर्या को मिलता रहा गंभीर का सपोर्ट- गौतम गंभीर और सूर्यकुमार यादव के रिश्ते काफी मजबूत माने जाते हैं। सूर्यकुमार को SKY उपनाम गंभीर ने ही दिया था। टीम मैनेजमेंट के अंदर भी दोनों के बीच शानदार समझ मानी जाती है। यही वजह है कि गंभीर अगर सूर्यकुमार के समर्थन में खड़े रहते हैं, तो चयनकर्ता फिलहाल उन्हें हटाने का फैसला टाल सकते हैं।

लॉस एंजेलिस ओलंपिक को ध्यान में रखकर हो रही प्लानिंग

रिपोर्ट्स के मुताबिक अब भविष्य की प्लानिंग 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक को ध्यान में रखकर की जा रही है। चयनकर्ता युवा खिलाड़ियों को तैयार करना चाहते हैं और इसी वजह से कई नए नाम कप्तानी की रेस में तेजी से उभर रहे हैं। श्रेयस अय्यर को मजबूत दावेदार माना जा रहा है। उनकी कप्तानी क्षमता और आक्रामक रवैया चयनकर्ताओं को पसंद आता है। हालांकि गौतम गंभीर और श्रेयस अय्यर के रिश्तों को लेकर भी कई सवाल उठते रहे हैं। शुभमन गिल को एक समय ऑल-फॉर्मेट कप्तान बनाने की तैयारी चल रही थी। हालांकि खराब प्रदर्शन के चलते उनकी टी20 टीम से छुट्टी हो गई। अगर सूर्यकुमार यादव बाहर होते हैं, तो शुभमन की टी20 टीम में वापसी लगभग तय मानी जा रही है। इसके अलावा संजू सैमसन, ईशान किशन और युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी जैसे नाम भी भविष्य की योजनाओं में शामिल बताए जा रहे हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

कृति सेनन ने सिनेमा की दुनिया में पूरे किए 12 साल, बयां की दिल की बात

मुंबई। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री कृति सेनन ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने 12 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी साझा करते हुए एक भावनात्मक पोस्ट किया। इंस्टाग्राम स्टोरी पर उन्होंने अपने अब तक के करियर के यादगार किरदारों का कोलाज साझा किया और लिखा-वाह! फिल्मों की इस जादुई दुनिया में कदम रखे हुए मुझे 12 साल हो गए हैं।

कृति सेनन ने साल 2014 में फिल्म 'हीरोपंती' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता टाइगर श्राफ ने भी अपने करियर की शुरुआत की थी। पहली ही फिल्म से कृति ने अपनी सहज और प्रभावशाली एक्टिंग से दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर लिया था और इंडस्ट्री में अपनी मजबूत पहचान बना ली थी।

हिट फिल्मों से मजबूत हुआ करियर

इसके बाद कृति ने कई सफल फिल्मों में काम किया, जिनमें 'बरेली की बर्फी', 'लुका छुपी', 'दिलवाले', 'मिमी' और 'क्रू' जैसी फिल्में शामिल हैं। हर फिल्म में उनके किरदार अलग और चुनौतीपूर्ण रहे, जिससे उनकी अभिनय क्षमता और विविधता दोनों सामने आईं। खासकर 'मिमी' में सरोगेट मां का किरदार निभाकर उन्होंने दर्शकों के साथ-साथ क्रिटिक्स को भी प्रभावित किया। फिल्म 'मिमी' में दमदार प्रदर्शन के लिए कृति सेनन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह उनके करियर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है, जिसने उन्हें शीर्ष अभिनेत्रियों की सूची में शामिल कर दिया। अब कृति जल्द ही रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'कॉकटेल 2' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का निर्देशन होमी अदजानियाकर रहे हैं। फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और रश्मीका मंदाना भी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

लिव-इन रिलेशन में रहो, एक्ट्रेस को मां ने दी सलाह, रिश्ते के खिलाफ थे पिता

टीवी के पावर कपल तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा इन दिनों अपने रिश्ते को लेकर हेडलाइन्स में हैं। तेजस्वी-करण पिछले 4 साल से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। कपल ने नेटफ्लिक्स के शो देसी ब्लिंग में सगाई करके फैंस को खुश कर दिया है। अब तेजस्वी और करण ने अपने वेडिंग प्लान्स पर बात की है। तेजस्वी और करण बीते कई सालों से लिवइन रिलेशनशिप में रह रहे हैं।

नेहा धूपिया और अंगद बेदी के पॉडकास्ट में तेजस्वी ने बताया कि उनकी मां ने ही उन्हें करण संग शादी से पहले लिवइन रिलेशनशिप में रहने के लिए मनाया था। अपनी डेटिंग के शुरुआती फेज के बारे में बात करते हुए करण ने कहा- तेजस्वी की मां ने कहा था कि वो अपनी बेटी पर बिल्कुल भरोसा नहीं करती हैं। मुझे तेजस्वी के बारे में सोचने के लिए थोड़ा टाइम लेना चाहिए। हालांकि, तेजस्वी के पिता को हमारे रिश्ते से कोई दिक्कत नहीं थी। इसपर तेजस्वी ने कहा- मेरी मां ये सुनिश्चित करना चाहती थीं कि करण कंफर्टेबल रहे। मेरी मां ने ही कहा था कि शादी का फैसला लेने से पहले करण और मुझे लिवइन रिलेशनशिप में रहना चाहिए।

मेट्रो बाजार

पाकिस्तान में आर्थिक संकट के बीच देश का गैस सेक्टर बर्बादी की कगार पर पहुंचा

नई दिल्ली । मीडिया में छपे एक आर्टिकल के मुताबिक, पाकिस्तान के गैस सेक्टर में स्ट्रक्चरल गिरावट आई है। इससे इंडस्ट्रियल कॉम्पिटिटिवनेस को नुकसान हो रहा है और एक्सप्लोरेशन निवेश में कमी आ रही है। इसके साथ ही एलएनजी पर निर्भरता बढ़ रही है और पाकिस्तान की लॉन्ग-टर्म एनर्जी सिक्योरिटी कमजोर हो रही है। कराची के बिजनेस रिकॉर्डर के आर्टिकल के अनुसार, नीति बनाने वाले गैस संकट को सप्लाई की कमी की समस्या मान रहे हैं, लेकिन असली समस्या इससे कहीं ज्यादा गहरी है। लेख के मुताबिक, अब गैस बाजार की मौजूदा संरचना ही प्रभावी तरीके से काम नहीं कर रही है। पाकिस्तान अब देसी गैस प्रोडक्शन में कमी, महंगे आरएलएनजी इंपोर्ट, घटते औद्योगिक प्रवाह क्षमता और पूरी ऊर्जा सप्लाई चेन में गंभीर वित्तीय तनाव का सामना कर रहा है। फिर भी संस्थागत स्ट्रक्चर में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। सबसे खतरनाक नतीजा प्रवाह क्षमता में कमी है। इंडस्ट्रियल कंज्यूमर पाइपलाइन गैस पर अपनी निर्भरता लगातार कम कर रहे हैं क्योंकि टैरिफ अब किफायती नहीं रहे और उनका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। बिजनेस सोलर, कोयला, बायोमास, फर्नेस ऑयल और सेल्फ-जेनरेशन की तरफ जा रहे हैं क्योंकि पाइपलाइन गैस को अब कमर्शियली भरोसेमंद नहीं माना जाता है। आर्टिकल में कहा गया है कि गलत नीति की वजह से डिमांड में यह कमी और तेज हुई है। कैप्टिव पावर प्लांट पर गलत तरीके से कैलकुलेट की गई और बिना वजह की उगाही ने कई इंडस्ट्रियल यूजर्स को गैस सिस्टम से बाहर कर दिया।

भारत का यूपीआई नेटवर्क साइप्रस तक पहुंचा, अगले साल से शुरू होंगी सेवाएं

नई दिल्ली । भारत के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) अगले साल से साइप्रस में चालू हो जाएगा। इससे यूरोप में देश के डिजिटल पेमेंट्स इकोसिस्टम का एक और बड़ा विस्तार होगा। मीडिया ब्रीफिंग में विदेश सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने कहा कि साइप्रस में यूपीआई का रोलआउट जून 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेडिटेरेनियन देश के आधिकारिक दौरे के दौरान हुई बातचीत के खास नतीजों में से एक था।

यह लॉन्च एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड और यूरोबैंक साइप्रस के बीच एक एमओयू पर साइन होने के बाद हुआ है, ताकि भारत के रियल-टाइम पेमेंट प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट को आसान बनाया जा सके। प्रधानमंत्री मोदी 15-16 जून 2025 को साइप्रस गए और दो दशकों से ज्यादा समय में देश की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने।

इस दौरे के दौरान, पीएम मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स ने व्यापार, निवेश, समुद्री सुरक्षा, रक्षा, वित्तीय कनेक्टिविटी, तकनीक, शिक्षा और सांस्कृतिक एक्सचेंज में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर डिटेल में बातचीत की। दोनों नेताओं ने लिमासोल शहर में एक बिजनेस राउंडटेबल में भी हिस्सा लिया और भारत-साइप्रस रणनीतिक संबंधों को गहरा करने के मकसद से डेलिगेशन स्तर की बातचीत की। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, दोनों देश भविष्य के द्विपक्षीय सहयोग को गाइड करने के लिए 2025-29 के लिए एक व्यापक संयुक्त कार्रवाई योजना पर काम करने पर सहमत हुए। साइप्रस में विस्तार यूपीआई की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति को और बढ़ाता है।

फिलीपीन: आंधी-तूफान में गिरी 9 मंजिला निर्माणाधीन इमारत

मनीला। फिलीपीन की राजधानी मनीला के उत्तर में स्थित एक शहर में निर्माणाधीन 9 मंजिला इमारत अचानक गिर गई। हादसे के दौरान इमारत में कई मजदूर भी मौजूद थे, जो मलबे की नीचे दब गए हैं। हादसा रविवार तड़के का बताया जा रहा है। हालांकि कुछ मजदूरों को बाहर निकाल लिया गया है, लेकिन अभी भी दर्जनों की संख्या में मजदूर अंदर फंसे हुए हैं। मलबे में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि आंधी-तूफान में यह निर्माणाधीन इमारत गिर गई।

22 मजदूरों को बाहर निकालने में मिली कामयाबी

हादसे की जानकारी देते हुए पुलिस और अन्य अधिकारियों ने बताया कि 22 मजदूर बाहर निकलने में कामयाब रहे, लेकिन कई अन्य अब भी लापता हैं। जानकारी के मुताबिक मनीला के उत्तर में पम्पांगा प्रांत के एंजिल्स सिटी में यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि आंधी-तूफान के दौरान यह इमारत भरभराकर ढह गई। वहीं पुलिस ब्रिगेडियर जनरल जेस मेंडेज ने बताया कि मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए पुलिस और अन्य सरकारी विभागों के 100 से अधिक कर्मी बचाव अभियान में जुटे हैं।

मजदूर मलबे में दबे

30 मजदूरों के फंसे होने की आशंका

हालांकि पुलिस ब्रिगेडियर जनरल जेस मेंडेज तत्काल यह नहीं बता पाये कि इमारत के मलबे में कितने मजदूर अभी भी फंसे हुई हैं। एंजिल्स सिटी के सूचना कार्यालय के प्रमुख जे पेलायो ने बताया कि कम से कम 30 मजदूरों के मलबे में फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। उन्होंने यह जानकारी एक निर्माणकर्मी के हवाले से दी, जो इमारत गिरने के दौरान बाहर निकलने में कामयाब रहा था।

न्यूज विंडो

भाजपा के सारे इंजन पैसे लूटने में लगे हैं : मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने एक बार फिर से भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला है। आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने अपने ऑफिशियल

एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर की है, जिसमें बीजेपी पर तंज कसा गया। मनीष सिसोदिया ने एक्स पर शेयर की गई पोस्ट में लिखा, बीजेपी ने दिल्ली का क्या हाल कर दिया है... सारे इंजन पैसे लूटने में लगे हैं। एक महीने से हजारों लोगों की जिंदगी बिना पानी के मुश्किल में है। औरतें नहाने के लिए अपने ऑफिस जाने को मजबूर हैं, बहुत शर्मनाक। उन्होंने आगे लिखा कि दिल्ली की जनता से वोट मांगने वाले प्रधानमंत्री ने जनता को एक भ्रष्ट और नाकाबिल सरकार के भरोसे छोड़ दिया है, और टॉफियां बांटने की रील बनाने में लगे हैं। वहीं, दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे देश में बढ़ती पेट्रोल-डीजल और सीएनजी की कीमतों को लेकर भी आप ने बीजेपी पर हमला बोला था।

जस्टिस मीनाक्षी राय होंगी पटना हाई कोर्ट की नई मुख्य न्यायाधीश

पटना। पटना हाई कोर्ट को नई मुख्य न्यायाधीश मिल गई हैं। जस्टिस मीनाक्षी एम. राय पटना हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश होंगी। केंद्र सरकार ने नियुक्ति को मंजूरी दी है। मीनाक्षी एम. राय सिक्किम हाई कोर्ट में जज के पद पर हैं। वह दिल्ली हाई कोर्ट और देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस कर चुकी हैं। बता दें कि 22 मई 2026 को हुई कॉलेजियम की बैठक में यह फैसला लिया गया। यह नियुक्ति भारतीय न्यायपालिका के लिए एक बड़ा कदम है, क्योंकि इसके जरिए पूर्वोत्तर भारत के सबसे अनुभवी जजों में से एक को देश के सबसे पुराने और बड़े हाई कोर्ट की कमान सौंपी जा रही है। पटना हाई कोर्ट के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संगम कुमार साहू आगामी 4 जून को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। वह इसी साल जनवरी में पटना हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस बने थे और 62 वर्ष की आयु पूरी होने पर रिटायर हो रहे हैं। उनकी जगह अब जस्टिस मीनाक्षी एम. राय पदभार संभालेंगी। 12 जुलाई 1964 को जन्मीं जस्टिस मीनाक्षी मदन राय ने अपनी स्कूली शिक्षा सिक्किम में पूरी की।

हरियाणा: भीषण सड़क हादसा कार-बाइक की टक्कर में 3 की मौत

हांसी। हांसी के समीप जीतपुरा बस स्टैंड के पास तड़के करीब दो बजे दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा सांझा चूल्हा होटल के निकट हुआ, जहां तेज रफ्तार सेल्टोस कार और बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक करीब 100 फीट दूर जा गिरी, जबकि सेल्टोस कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और सड़क पर लंबा जाम लग गया। हादसे के तुरंत बाद आसपास से गुजर रहे राहगीरों ने मानवता दिखाते हुए घायलों को संभाला और तुरंत अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। फिलहाल पुलिस मृतकों की पहचान करवाने और हादसे के कारणों की जांच में जुटी हुई है।

बिहार-यूपी समेत 6 राज्यों को छोड़ सभी प्रदेशों में गिरा ग्राफ

रिपोर्ट: भारत की कुल प्रजनन दर 2.1 से घटकर 1.9 पर आई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की कुल प्रजनन दर (एक महिला के औसतन कितने बच्चे होंगे) 2.1 से घटकर 1.9 हो गई है। इस बात की जानकारी 2024 की ताजा सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम रिपोर्ट में मिली है।बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड जैसे राज्यों को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में टीएफआर 'रिप्लेसमेंट लेवल' (बदलाव के स्तर) से नीचे गिर गया है। दिल्ली (1.2) में यह सबसे कम है, जिसके बाद केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल का नंबर आता है। यहां टीएफआर 1.3 है।

दिल्ली और तमिलनाडु में कम तो छत्तीसगढ़ असम में ज्यादा: छत्तीसगढ़ और असम भी दो ऐसे राज्य हैं जहां टीएफआर (कुल प्रजनन दर) ज्यादा है और इसमें क्रमशः 11.5% और 13% की अपेक्षाकृत कम गिरावट देखी गई है। वहीं, दिल्ली और तमिलनाडु में टीएफआर पहले से ही बहुत कम (1.7) था वहां क्रमशः 29.4% और 23.5% की गिरावट आई।

जनसंख्या की कमी का खतरा

जब टीएफआर 2.1 होता है तो इसे 'रिप्लेसमेंट लेवल' कहा जाता है, क्योंकि अपने जीवनकाल में लगभग 2.1 बच्चों को जन्म देने वाली महिला औसतन अपनी और अपने जीवनसाथी की जगह ले लेती है। जब प्रजनन दर लंबे समय तक इस स्तर से नीचे बनी रहती है तो जनसंख्या वृद्धि धीमी हो जाती है और आखिरकार नकारात्मक भी हो सकती है। रिपोर्ट से पहले के एक दशक में हुए प्रतिशत बदलाव पर नजर डालने से पता चलता है कि बिहार में टीएफआर में सबसे कम कमी आई है। 2012-14 के 3.2 टीएफआर से 2022-24 में 2.9 तक महज 9.4% की कमी है। प्रजनन दर में गिरावट के बावजूद कामकाजी उम्र की आबादी बढ़ रही है।

जिन राज्यों में किसी महिला द्वारा जन्म दिए गए बच्चों की औसत संख्या एक दशक से भी पहले ही 'रिप्लेसमेंट लेवल' (जनसंख्या को स्थिर रखने के लिए जरूरी स्तर) से नीचे गिर गई थी, वहां की कुल आबादी में 0-14 आयु वर्ग का अनुपात भी सबसे कम है।

तमिलनाडु में 0-14 आयु वर्ग की आबादी कुल आबादी का सिर्फ 18% है, जबकि बिहार में यह 31.5% है। आंध्र प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पंजाब में यह अनुपात लगभग 19% है। भारत में हर चार में से लगभग एक व्यक्ति (24%) 0-14 आयु वर्ग का है।

बढ़ रही भारत की कामकाजी उम्र वाली आबादी

भारत की कामकाजी उम्र वाली आबादी (15-59 वर्ष) उन राज्यों में भी बढ़ रही है जहां प्रजनन दर बहुत कम है। इससे यह संकेत मिलता है कि भारत के लिए 'डेमोग्राफिक विंडो' (जनसांख्यिकीय अवसर) अभी बंद नहीं हुआ है। 15-60 वर्ष का आयु वर्ग भारत की कुल आबादी का 66.4% है (जो 2014 के 64% से बढ़ा है), जबकि आश्रित आबादी (0-14 वर्ष) 24% और 60 वर्ष से अधिक आयु वाले लोग 10% से भी कम हैं। हालाँकि, उम्मीद है कि यह भी जल्द ही खत्म हो जाएगी क्योंकि काम करने लायक आबादी अपने चरम पर पहुंच चुकी है। जैसा कि तमिलनाडु जैसे राज्यों में देखा जा सकता है, जहां इस रिपोर्ट से पिछले दशक में काम करने लायक आबादी का अनुपात महज 0.6 प्रतिशत अंक ही बढ़ा है यानी 67.2% से बढ़कर 67.8% हुआ है। भारत में 60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों का अनुपात 8.6% से बढ़कर 9.7% हो गया है और यह सभी राज्यों में बढ़ा है। सबसे ज्यादा अनुपात वाला राज्य केरल (15%) है और जिस राज्य में 2014 से 2024 के बीच 60+ आबादी के अनुपात में सबसे बड़ी बढ़ोतरी देखी गई है वह है तमिलनाडु जहां 10.6% से 14.2% का अनुपात रहा। असम में यह अनुपात सबसे कम है 7.6%।

पर्यावरण मामले पर CJI की टिप्पणी को लेकर पूर्व नौकरशाहों ने जताया ऐतराज, लिखा पत्र

नई दिल्ली। 70 से अधिक सेवानिवृत्त सिविल सेवकों ने भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को ओपन लेटर लिखा है। यह पत्र नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश के खिलाफ दायर अपील की सुनवाई के दौरान पर्यावरण याचिकाकर्ताओं पर की गई उनकी हालिया

टिप्पणियों पर चिंता व्यक्त करने के लिए लिखा गया है।

यह खुला पत्र 71 हस्ताक्षरकर्ताओं द्वारा जारी किया गया है, जो कॉन्स्टिट्यूशनल कंडक्ट ग्रुप का हिस्सा हैं। विवाद की जड़ 26 नवंबर, 2025 का ह्लज्ञ का वह आदेश है, जिसमें गुजरात में पिपावाव पोर्ट विस्तार परियोजना को दी गई पर्यावरणीय और तटीय विनियमन क्षेत्र की मंजूरी को बरकरार रखा गया था। सुनवाई के दौरान, सीजेआई ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा था कि हमें भारत में भी ऐसी परियोजना दिखाएं जहां पर्यावरण कार्यकर्ता कहें, हम इस परियोजना का स्वागत करते हैं, देश अच्छी प्रगति कर रहा है। यह टिप्पणी लिखित आदेश का हिस्सा नहीं थी।

लोकतांत्रिक मूल्यों पर खतरा

सेवानिवृत्त अधिकारियों ने अपने पत्र में कहा, 'इस तरह के बयान भय पैदा कर सकते हैं और नागरिकों की असहमति की आवाज को दबा सकते हैं, जिससे उन्हें पारिस्थितिक क्षति और समुदायों तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले संभावित प्रतिकूल प्रभाव पर सवाल उठाने से हतोत्साहित किया जा सकता है। 'उन्होंने आगे कहा कि ऐसी टिप्पणियां बुनियादी रूप से लोकतंत्र के विरोधी प्रवृत्तियों को जन्म दे सकती हैं। इस पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग, पूर्व आईएएस अधिकारी और कार्यकर्ता हर्ष मंदर, पूर्व विदेश सचिव के. रघुनाथ और पूर्व पर्यावरण सचिव मीना गुप्ता शामिल हैं।

बाघ ने घर में घुसकर महिला को मार डाला बचाने पहुंचे तीन परिजनों को किया घायल

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा क्षेत्र अंतर्गत खेरवा मोहल्ला में तड़के एक बाघ की घुसपैठ से पूरे गांव में दहशत फैल गई। बाघ घर में घुस आया और सो रही महिला पर हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। महिला को बचाने पहुंचे पति, पिता और ससुर भी बाघ के हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में भय, तनाव और आक्रोश का माहौल है।

मृत महिला की पहचान फूल बाई पति पहलू पाल (करीब 40 वर्ष) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार सुबह लगभग तीन बजे बाघ अचानक घर के भीतर घुस गया और महिला पर हमला कर दिया। महिला की चीख सुनकर पति पहलू पाल, पिता और ससुर दशई पाल उसे बचाने दौड़े, लेकिन बाघ ने उन पर भी हमला कर दिया। घायलों को गंभीर हालत में मानपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है।

बंगाल के फालता में काउंटिंग, भाजपा के देबांग्शु आगे चुनाव से पीछे हटने वाले तृणमूल के जहांगीर चौथे नंबर पर

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की फालता सीट पर काउंटिंग चल रही है। अभी तक 6 राउंड की गिनती पूरी हो गई। इसके आधार पर BJP के देबांग्शु 37 हजार वोटों से आगे चल रहे हैं। वहीं चुनाव से पीछे हटने वाले TMC के जहांगीर चौथे नंबर पर हैं। अभी तक की गिनती के मुताबिक उन्हें 1904 वोट मिले हैं।

फालता सीट पर 21 राउंड की काउंटिंग होगी। यहां 285 बूथों पर 21 मई को दोबारा मतदान कराया गया था। रीपोलिंग में वोटिंग करीब 2% बढ़ गई। चुनाव आयोग के मुताबिक यहां 88.13% मतदान हुआ। इससे पहले, 29 अप्रैल को इसी सीट पर 86.71% मतदान हुआ था।

फालता में मुकाबला TMC और भाजपा के बीच है। आधिकारिक तौर पर इस सीट के लिए छह उम्मीदवार मैदान में हैं, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान ने दोबारा मतदान से कुछ दिन पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह चुनाव नहीं लड़ेंगे।

हालांकि, उनकी ओर से ये बात लिखित में दिए जाने की सूचना नहीं है। रीपोलिंग के दौरान EVM में उनका नाम और सिंबल मौजूद था।

मेट्रो एंकर | बांग्लादेश का अनोखा और दुर्लभ अल्बिनो भैंसा सोशल मीडिया पर हो रहा वायरल, कीमत 3 लाख रुपए

बकरीद के दिन दी जाएगी 'डोनाल्ड ट्रंप' भैंसे की कुर्बानी

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में ईद-उल-अजहा यानी कि बकरीद से पहले एक अनोखा और दुर्लभ अल्बिनो भैंसा सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। इस भैंसे को उसके अनोखे रूप और बालों की बनावट के कारण मजाकिया तौर पर 'डोनाल्ड ट्रंप' नाम दिया गया था, जो तेजी से वायरल हो गया। यह भैंसा ढाका के पास नारायणगंज जिले में स्थित रबेया एग्रो फार्म में पाला गया था, जहां बकरीद के मौके पर कुर्बानी के लिए जानवरों को तैयार किया जाता है। पिछले दिनों इस भैंसे के वीडियो काफी वायरल हुए थे, और अब खबर आ रही है कि इसे बकरीद की कुर्बानी के लिए बेच दिया गया है।

हल्के गुलाबी रंग का है 'डोनाल्ड ट्रंप' भैंसा: फार्म मालिक जियाउद्दीन मैरदा ने बताया कि 4 साल का यह भैंसा अल्बिनो नस्ल का है। इस भैंसे का रंग हल्का गुलाबी है और यह काफी दुर्लभ माना जाता है। उन्होंने बताया कि इस भैंसे को करीब 10 महीने पहले राजशाही सिटी हाट से खरीदा गया था। इसके बाद उनके छोटे भाई ने इसके बालों की बनावट को देखते हुए इसका नाम 'डोनाल्ड ट्रंप' रख दिया, क्योंकि इसका हेयरस्टाइल अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलता-जुलता लग रहा था। फार्म मालिक ने कहा, 'यह सिर्फ एक प्रतीकात्मक नाम है। जानवर और इंसान की तुलना नहीं की जा सकती। इसे सिर्फ प्यार और मजाक में यह नाम दिया गया था।'

3 लाख रुपये में तय हुआ भैंसे का सौदा: जियाउद्दीन ने बताया कि नाम के चलते यह भैंसा सोशल मीडिया और स्थानीय मीडिया में वायरल हो गया और इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग फार्म पर आने लगे। उन्होंने बताया कि इस भैंसे को आखिरकार लाइव वेट (जिंदा वजन) के आधार पर 550 टका प्रति किलो के भाव से एक व्यापारी को बेच दिया गया है। उन्होंने बताया कि भैंसे का वजन लगभग 700 किलोग्राम है। इस तरह देखा जाए तो भैंसे का सौदा करीब 3.85 लाख टके (करीब 3 लाख रुपये) में तय हुआ है। खरीदार की पहचान मोहम्मद शोरोन के रूप में हुई है, जो जिंजिरा के रसूलपुर इलाके के रहने वाले हैं।

नए मालिक ने भैंसे को छिपाकर रखा

रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने इस भैंसे को बकरीद पर दी जाने वाली कुर्बानी के लिए खरीदा है। न्यूज एजेंसी ह्लद्ब ने बताया कि जब उनके रिपोर्टर खरीदार के घर पहुंचे तो उन्होंने भैंसे को दिखाने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि अभी उन्हें जानवर की डिलीवरी नहीं मिली है। हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि भैंसे के वायरल होने के बाद खरीदार इसे फिलहाल छिपाकर रख रहे हैं ताकि किसी तरह की परेशानी या भीड़भाड़ से बचा जा सके।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564